संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 114
पृष्ठ 8
शनिवार
11 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– शिमला और कश्मीर से ....

विचार– हुआ है शह का .....

खेल– आक्रामक और रक्षात्मक.....

योगी ने किया आकाशवाणी के एफएम चैनल 'कुम्भवाणी' का शुभारंभ

महाकुम्भ नगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को सर्किट हाउस में महाकुम्भ के अवसर पर प्रसार भारती के एफएम चैनल कुम्भवाणी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एफएम चौनल के सफल होने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि यह एफएम चौनल न सिर्फ लोकप्रियता की नई ऊंचाई हासिल करेगा, बल्कि महाकुम्भ को दूरदराज के उन गांवों तक भी ले जाएगा जहां लोग चाहकर भी यहां नहीं पहुंच पाते हैं। उन लोगों तक इन सुविधाओं के माध्यम से हम महाकुम्भ की हर जानकारी पहुंचाएंगे। योगी ने कहा कि दूर दराज में रहने वालों के लिए इस तरह का सजीव प्रसारण कर पाएंगे तो उनको भी सनातन गौरव के इस महासमागम को जानने, सुनने और आने वाली पीढ़ी को बताने का अवसर प्राप्त होगा। सीएम ने कुम्भवाणी चौनल शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूचना प्रसारण मंत्रालय व

प्रसार भारती को भी धन्यवाद दिया। उन्होने कहा कि वास्तव में लोक परंपरा और लोक संस्कृति को आम जन तक पहुंचाने के लिए हमारे पास जो सबसे पहले माध्यम था वो आकाशवाणी ही था। मुझे याद है कि बचपन में हम आकाशवाणी के माध्यम से उस समय प्रसारित होने वाले रामचरित मानस की पंक्तियों को बड़े ध्यान से सुना करते थे। समय के अनुरूप तकनीक बढ़ी और लोगों ने विजुअल माध्यम से भी दूरदर्शन के माध्यम से सचित्र उन दृश्यों को देखना प्रारंभ किया। बाद में निजी क्षेत्र के भी कई चौनल आए, लेकिन समय की इस प्रतिस्पर्द्धा के अनुरूप खुद को तैयार करना और दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पर कनेक्टिविटी के इश्यू होते हैं वहां पर बहुत सारी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए प्रसार भारती के एफएम चौनल ने 2013, 2019 और अब 2025 में भी कुम्भवाणी के नाम पर इस विशेष एफएम चौनल को शुरू करने की कार्यवाही प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सनातन गौरव और गर्व का एक महाआयोजन है, एक महासमागम है। जिसको सनातन धर्म के गौरव और गरिमा को देखना हो तो वो कुम्भ का दर्शन करे, यहां आकर अवलोकन करे। जो लोग एक संकीर्ण दृष्टि से सनातन धर्म को देखते हैं, साम्प्रदायिक मतभेद, भेदभाव या छुआछूत के नाम पर लोगों को बांटने का काम करते हैं उन लोगों को आकर देखना चाहिए कि यहां पर न पंथ का भेद है, न जाति का भेद है, न छुआछूत है, न कोई लिंग का भेद है। सभी पंथ और सम्प्रदाय एक साथ एक ही जगह स्नान करते हैं। सभी लोग एक जगह आकर आस्था की डुबकी लगाकर सनातन गर्व के संदेश को पूरे देश और दुनिया तक लेकर जाते हैं। यह एक आध्यात्मिक संदेश है। इस अवसर पर पूरी दुनिया यहां पर एक घोंसले के रूप में देखने को मिलती है। योगी ने कहा कि दुनिया के बहुत सारे लोगों का यहां पर आगमन शुरू हो चुका है। वो आस्था की डुबकी लगाकर आध्यात्म की गहराइयों को समझने का प्रयास करना चाहते हैं। यह अद्भुत क्षण है और इस अद्भुत क्षण को प्रसार भारती ने कुम्भवाणी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। पूरे दिन भर के कुम्भ के कार्यक्रमों को न सिर्फ आंखों देखा हाल के माध्यम से बल्कि महाकुम्भ के आयोजन के साथ जुड़े हुए हमारे धार्मिक उद्धरणों को भी दूर दराज के गांवों में प्रसारित करने का काम कुम्भवाणी करेगा। जब भी हम सनातन धर्म के इस गौरव को पूरी ईमानदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे तो यह मानकर चलिए कि आमजन के मन में इसके प्रति सच्ची श्रद्धा का भाव होगा। उन्होंने कहा कि जब कोविड महामारी आई थी और लॉकडाउन प्रारंभ हुआ था तब जैसे ही दूरदर्शन ने रामायण सीरियल दिखाना प्रारंभ किया तो दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई थी। आज तो एफएम चौनल युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। निश्चित रूप से इसका लाभ प्रसार भारती को प्राप्त होगा। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री डॉ एल मुरुगन ने योगी का आभार जताया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, ओमप्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष नवनीत सहगल उपस्थित रहे।

जब अमेरिका ने मेरा वीजा खारिज किया तो कष्ट था, पर एक संकल्प भी लिया : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी का कहना है कि जब 2005 में उनका अमेरिका ने वीजा रद्द कर दिया था तो उन्हें करारा झटका लगा था। उन्होंने निखिल कामत के साथ पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा कि आपने पूछा कि मेरे लिए सबसे ज्यादा कष्ट वाला पल क्या था तो वह यही था, जब अमेरिका ने मेरा वीजा ही कैंसिल कर दिया। उन्होंने कहा कि तब मैंने कहा था कि एक चुनी हुई सरकार के मुखिया के साथ ऐसा करना गलत और अलोकतांत्रिक है। मीडिया के साथ मैंने 2005 में उसी दिन बात की थी। अपनी ओर से मैंने कई बातें कहीं थीं, लेकिन यह भी सच है कि मैंने एक संकल्प ले लिया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि उसी दौरान मैंने संकल्प ले लिया था कि एक दिन ऐसा होगा कि लोग भारत के वीजा के लिए लाइन लगाकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि वह मेरी जिंदगी का मुश्किल वक्त था और मुझे झटका लगा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात थी कि आखिर भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के राज्य में एक चुने हुए प्रतिनिधि को इस तरह वीजा देने

से इनकार किया जाए। फिर बहुत कुछ सुधर गया, लेकिन मेरा एक संकल्प था, जो मैंने हमेशा बनाए रखा। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे खुशी होती है, जब दूसरे देशों में जाता हूं और लोगों के मन में भारत की अलग छवि देखता हूं। यह देखता हूं कि वे भी भारत आना चाहते हैं। अपने लिए भारत में कारोबार और अन्य अवसर देखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भविष्य की सोचते हुए काम करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा तीसरा टर्म पहले वाले दो कार्यकालों के मुकाबले अलग है। मुझे देशवासियों के बहुत सारे सपनों को पूरा करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब गुजरात की सरकार चला रहा था, तब भी मेरा विचार था कि अगले 20 साल के लिए प्लान तैयार किया जाए। आज भी मैं इसी विचार के साथ काम कर रहा हूं। इस दौरान जब उनसे राजनीति में आलोचना को लेकर पूछा गया तो उनका जवाब भी दिलचस्प था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं अहमदाबादी हूं और वहां के लोगों का एक नजरिया है। इसके आगे उन्होंने एक किस्सा सुनाया– 'एक अहमदाबादी स्कूटर लेकर जा रहा था और किसी से थोड़ी सी टक्कर लग गई। सामने वाला गुस्से में आ गया और गालियां देने लगा। अहमदाबादी स्कूटर लेकर खड़ा ही रहा और वह गालियां देता रहा। एक शख्स आया और उसने कहा कि कुछ दे ही रहा है, लेकर तो नहीं जा रहा।' वह कहते हैं कि मैंने भी मन बना लिया कि उनके पास जो हैं, वही देंगे। मेरे पास जो है, मैं वह दूंगा।

समलैंगिक विवाह : सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2023 के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिकाएं की खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने से इनकार करने के अपने फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाएं खारिज कर दी हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की संविधान पीठ ने यह कहते हुए कि उन्हें अपने पिछले फैसले में रिकॉर्ड पर कोई त्रुटि नहीं दिखी, समीक्षा करने से इनकार कर दिया। याचिकाओं में उच्चतम न्यायालय की समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने से इनकार करने वाले 17 अक्टूबर, 2023 के फैसले की समीक्षा की मांग की गई थी। चौंबर कार्यवाही के बाद गुरुवार अपने आदेश में पीठ ने कहा, "हमने न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट (पूर्व न्यायाधीश) द्वारा खुद और न्यायमूर्ति हिमा कोहली (पूर्व न्यायाधीश) द्वारा दिए गए फैसलों और हममें से एक (न्यायमूर्ति नरसिम्हा) द्वारा दिए गए फैसलों की गई सहमति वाली राय को ध्यान से पढ़ा है, जो बहुमत का मत है।" शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि दोनों फैसलों में व्यक्त किया गया मत कानून के अनुसार है। इनमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, "इस आधार पर पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज किया जाता है।" न्यायालय ने समीक्षा याचिकाओं को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने के लिए एक आवेदन को भी खारिज कर दिया। इस मामले से संबंधित याचिकाओं पर न्यायाधीशों के कक्षों में विचार किया गया। शीर्ष अदालत के नियमों के अनुसार, समीक्षा याचिकाओं पर न्यायाधीशों द्वारा दस्तावेजों के प्रसार और अधिवक्ता की उपस्थिति के बिना न्यायाधीश कक्षों में विचार किया जाता है। शीर्ष अदालत ने पहले ही समीक्षा याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना (वर्तमान मुख्य न्यायाधीश) द्वारा 10 जुलाई, 2024 को समीक्षा याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग करने के बाद नई पीठ का गठन किया गया था। विशेष रूप से न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा (पांच न्यायाधीशों वाली मूल संविधान पीठ के एकमात्र सदस्य हैं) ने फैसला सुनाया, क्योंकि पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एस के कौल, और रवींद्र भट और हिमा कोहली सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

भारत में बढ़ रहे एचएमपीवी के मामले, गुजरात में आठ साल का बच्चा मिला संक्रमित

हिम्मतनगर, एजेंसी। भारत में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। गुजरात के सांबरकांठा में आठ साल का बच्चा एचएमपीवी संक्रमित मिला है। गुजरात में ही अब तक तीन केस सामने आ चुके हैं। इसे लेकर राज्य सरकार ने अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा प्रांतिज तालुका के खेतिहर मजदूर परिवार का है। पिछले दिनों उसका एक निजी अस्पताल की लैब में परीक्षण किया गया था। जहां उसे एचएमपीवी संक्रमित पाया गया था। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने उसके रक्त के नमूनों को सरकारी प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा था। साबरकांठा जिला कलेक्टर रतनकंवर गढ़विचरन ने कहा कि हिम्मत नगर के निजी अस्पताल में भर्ती बच्चे को सरकारी प्रयोगशाला की रिपोर्ट में एचएमपीवी से संक्रमित पाया गया है। उसका इलाज चल रहा है। बच्चे की हालत स्थिर है।

संभल मस्जिद–कुआं विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का उप्र सरकार को नोटिस

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर विवादित संभल मस्जिद के आसपास के कुएं के इस्तेमाल करने के लिए स्थानीय नगर पालिका की ओर से जारी सार्वजनिक नोटिस को 21 फरवरी, 2025 तक लागू नहीं करने और दो सप्ताह में स्थिति का विवरण पेश करने का निर्देश दिया।मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और

न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने संभल शाही जामा मस्जिद समिति की याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने संभल नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि वे पोस्टरों के माध्यम से जारी किए गए अपने सार्वजनिक नोटिस को लागू न करें, जिसमें शाही जामा मस्जिद के आसपास के कुएं को हिंदुओं द्वारा पूजा और स्नान के लिए उपलब्ध श्श्री हरि मंदिरश बताया गया है। शीर्ष अदालत के समक्ष राज्य सरकार ने कहा कि उस जगह के आसपास की स्थिति शांतिपूर्ण थी, लेकिन आवेदक ने मुद्दा बनाने की कोशिश की। इस पर मस्जिद समिति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने प्रस्तुत किया कि नगर पालिका द्वारा जारी किए गए नोटिस में स्नान के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कुएं को श्हरि मंदिरश कहा गया है। पीठ ने कहा कि यदि दूसरा पक्ष भी कुएं का उपयोग करता है तो कोई नुकसान नहीं है। अधिवक्ता वकील ने कहा कि कुएं का आधा हिस्सा अंदर और आधा बाहर है, लेकिन राज्य सरकार पक्षपातपूर्ण रुख अपना रही है। इसके बाद अदालत ने नोटिस जारी कर राज्य सरकार से कहा कि वह नगर पालिका की ओर से जारी नोटिस को प्रभावी न करे।

'विश्व हिन्दी दिवस पर नारी गुरुकुल द्वारा आयोजित हुआ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम'

प्रयागराज। विश्व हिन्दी दिवस पर नारी गुरुकुल प्रयागराज द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन आज होटल प्रयाग इन में प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में किया गया। अतिथि के रूप में श्री रवि भूषण, डॉ ऋतुराज, मुकुन्द माधव उपस्थित रहे। अतिथि वक्ता कें रूप शहर समता विचार मंच के सचिव उमेश श्रीवास्तव, लोकरंजन प्रकाशन के प्रकाशक रंजन पाण्डेय, प्रो. रत्न कुमारी वर्मा, प्रो. मिथिलेश त्रिपाठी, सरोज सिंह ढ़ीगरा एवं प्रो. विमला व्यास उपस्थित रही जिन्होंने हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा बनाने एवं उसकी महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किये। इस आयोजन में बच्चों नें कथक, ओडिसी शैली में नृत्य भी प्रस्तुत किये। विश्व हिन्दी दिवस पर आयोजित इस आयोजन में अतिथिवक्ता, साहित्यकारों एवं बच्चों को सम्मानित भी किया गया जिसमें विमला व्यास, रचना सक्सेना, रत्न कुमारी वर्मा, रंजन पाण्डेय, उमेश श्रीवास्तव सरोज सिंह ढ़ीगरा को स्मृति चिन्ह शाल आदि भेट करते हुऐ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेघा सम्मान श्री हर्षित श्रीवास्तव को दिया गया। आयोजन का संयोजन डॉ स्नेह सुधा नें किया।

प्रयागराज से आज पहली बार शुरू होगी रिंग रेल सेवा, प्रयागराज से अयोध्या और काशी को एक साथ जोड़ेगी

प्रयागराज। महाकुंभ पर प्रयागराज से पहली बार रेलवे की रिंग रेल सेवा की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। इस दौरान प्रयागराज से वाराणसी, अयोध्या होते हुए ट्रेन चलाई जाएगी, जो शाम को प्रयागराज लौट आएगी। इसी तरह एक अन्य ट्रेन प्रयागराज से अयोध्या, वाराणसी होते हुए वापस प्रयागराज आएगी। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु अयोध्या और वाराणसी भी जा सकते हैं। श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए रेलवे यह रिंग रेल सेवा संचालित करने जा रहा है। 28 फरवरी तक इसका संचालन होगा। प्रयागराज जंक्शन से ट्रेन संख्या 04111 सुबह छह बजे रवाना होगी, जो प्रयागराज रामबाग, झूंसी, हंडिया होते हुए सुबह 8रू10 बजे बनारस पहुंचेगी। वहां से भदोही, जंघई, जाफराबाद, जौनपुर, अकबरपुर होते हुए रिंग रेल दोपहर दो बजे अयोध्या स्टेशन पहुचेगी। वहां से अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ होते हुए रिंग रेल शाम 6रू50 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंच जाएगी। इसी तरह एक दूसरी रिंग रेल संख्या 04113 प्रयागराज जंक्शन से शाम 5:30 बजे चलकर शाम 7:40 बजे बनारस, रात दो बजे अयोध्या व सुबह 7रू45 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। इसी तरह सुबह 6:30 बजे प्रयागराज जंक्शन से अयोध्या के लिए रिंग रेल संख्या 04112 रवाना होगी। जो सुबह 10:50 बजे अयोध्या, शाम पांच बजे बनारस और रात नौ बजे वापस प्रयागराज पहुंच जाएगी। प्रयागराज से अयोध्या के लिए एक अन्य रिंग रेल संख्या 04114 की रवानगी शाम 5रू45 बजे होगी, जो रात 10:05 बजे अयोध्या, सुबह 4रू15 बजे बनारस और सुबह आठ बजे वापस प्रयागराज जंक्शन पहुंच जाएगी। 28 से 30 जनवरी के बीच इन चारों रिंग रेल सेवा का संचालन नहीं होगा। इसमें सभी सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। इस वजह से इसमें आरक्षण की आवश्यकता नहीं होगी। बनारस, अयोध्या के लिए जहां सामान्य श्रेणी के कोच वाली रिंग रेल का संचालन होगा तो वहीं ग्वालियर और झांसी के लिए रेलवे स्लीपर कोच से युक्त आरक्षित रिंग रेल संचालित करेगा। वीरागंना लक्ष्मी बाई झांसी से ट्रेन नंबर 01805 की रवानगी 15, 22 जनवरी, पांच, 12, 19, 26 फरवरी की सुबह नौ बजे होगी जो ओरछा, मऊरानीपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, मानिकपुर आदि स्टेशन रुकते हुए शाम 4रू55 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंच जाएगी। वापसी में प्रयागराज से 01807 की रवानगी शाम 5रू05 बजे होगी जो मनौरी, भरवारी, फतेहपुर, बिंदकी रोड, गोविंदपुरी, पुखरायां, कालपी, उरई होते हुए रात दो बजे झांसी पहुंचेगी। वहीं, ग्वालियर से 01806 रात 8रू10 बजे 18, 23 जनवरी, छह, 13, 20 और 27 फरवरी को चलेगी। यह ट्रेन शनीचरा, मालनपुर, भिंड, इटावा, पनकी धाम, गोविंदपुरी, फतेहपुर होते हुए सुबह 6रू40 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में 01808 की रवानगी प्रयागराज जंक्शन से 17, 27 जनवरी, सात, 14, 21 और 28 फरवरी की सुबह 6:45 बजे होगी, जो नैनी, शंकरगढ़, चित्रकूट, झांसी होते हुए शाम 5:10 बजे ग्वालियर पहुंचेगी।

दशकों बाद मथुरा में गन्ना तुलाई को लगा कांटा

-छाता सुगर मिल चालू किये जाने की प्रक्रिया के तहत दिया जा रहा गन्ने की खेती को बढावा

मथुरा। दशकों बाद मथुरा में गन्ना तुलाई को कांटा लगा है। किसानों से अपील की गई कि वह अपना गन्ना उन्हें काटों पर लाएं। कोल्हू, जूस या गोशाला में गन्न न भेजें। छाता सुगर मिल को चालू किये जाने की प्रक्रिया के तहत किसानों को गन्ना की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है और क्षेत्र में गन्ना की खेती को बढावा दिया जा रहा है। जिला गन्ना अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि वर्तमान पेराई सत्र में जनपद मथुरा के गन्ना कृषकों को गन्ना आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आठ जनवरी को त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड चीनी इकाई साबितगढ़ जनपद बुलंदशहर द्वारा जनपद में दो क्रय केन्द्रों बाघर्रा एवं मिलगेट छाता ऐट कामर पर कॉटा स्थापित कर दिया गया है। दोनों कयकेन्द्रों पर अतिशीघ्र तौल कार्य (गन्ना आपूर्ति) चालू कर दी जायेगी। जनपद मथुरा के समस्त गन्ना उत्पादक कृषकों से अनुरोध है कि अपने बेसिक सट्टे, बेसिक कोटे के आधार पर निर्धारित कैलेंडर में लगी हुयी पर्ची गन्ना आपूर्ति ई टिकट के अनुसार करेगे। अपनी समस्या का त्वरित गति से समाधान करा लें। कृषक अपना मोबाइल नंबर से एसएमएस पर्ची नम्बर दिखाकर गन्ना तौल करायेंगे। किसानों से कहा गया है कि चीनी मिल साबितगढ़ के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान कोल्हू, जूस, गौशाला आदि में गन्ना आपूर्ति न करें।

कुंभ मेला में शामिल होने के लिए प्रयागराज को रवाना हुए साधु संत

मथुरा। प्रयाग राज (इलाहाबाद) में लगने वाले महा कुंभ को लेकर धार्मिक नगरी वृंदावन के संत महंतों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।बुधवार को धार्मिक नगरी वृंदावन से संतो महंतो

की एक टोली अपने निजी वाहनों से प्रयाग राज में लगने वाले महाकुंभ के लिए रवाना हुई।नगर निगम चौराहे पर एकत्रित हुए संत महंतों के जत्थे को पुलिस प्रशासन की देखरेख में निजी वाहनों से यमुना एक्सप्रेस वे कट तक सुरक्षित पहुंचाया गया। त्रिवेणी घाट में लगने वाले इस महासंगम में शामिल होने के लिए प्रस्थान करने के लिए जा रहे संतों में एक अलग ही उत्साह देखने मिल रहा था। 44 साल बाद (इलाहाबाद) प्रयाग राज त्रिवेणी के तट पर संतो का महा संगम जुड़ने जा रहा है। जिसे भव्य और दिव्य बनाने के लिए सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ स्वयं व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए है। वही महा संगम के इस पर्व को लेकर ब्रज के संतो में भी भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। बुधवार को संत महंतों की एक टोली अपने निजी वाहनों से प्रयाग राज कुंभ के लिए रवाना हुई।जिनका नगर वासियों ने पुष्प वर्षा का भव्य स्वागत किया।

सीएचसी चायल में निरूशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को निरूशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र परीक्षक डॉ. विवेक कुमार ने बताया कि शिविर में आए 45 मरीजों की आंखों की जांच की गई। उनमें से 16 मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हित कर उनकी आंखों का ऑपरेशन कराने के लिए मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय प्रयागराज भेज दिया गया।

आपराधिक इतिहास प्रस्तुत करने के लिए विवेचकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को डीजीपी प्रशांत कुमार हाजिर हुए। उन्होंने हलफनामा देकर बताया कि आदेश का अनुपालन कर दिया गया है। समन आदेशों का पालन कराने के लिए अभियोजकों व आपराधिक इतिहास को 19 बिंदुओं में प्रस्तुत करने के लिए विवेचना अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। निगरानी के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त कर दिया गया है। न्यायमूर्ति अजय भनोट ने बुलंदशहर के महेश की जमानत अर्जी मामले में अधिकारियों को पूर्व के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए बुलाया था। अदालत ने महेश की जमानत अर्जी के दौरान पाया कि ट्रायल कोर्ट के समक्ष अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तावित गवाहों की सूची नहीं प्रस्तुत की जा रही थी। जबकि, शहजान मामले में न्यायालय ने अभियोजन पक्ष को परीक्षण शुरू होने पर निर्धारित प्रपत्र में गवाहों की सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसका पालन न करने से जमानत अर्जियों का शीघ्र निस्तारण नहीं हो पा रहा था। न्यायालय ने पुलिस की कार्यप्रणाली में कई खामियां पाईं। केस डायरियां बहुत बड़ी बनाई गईं थीं। इससे सरकारी अधिवक्ताओं को इसका अध्ययन करने में काफी समय लगता है और जमानत की सुनवाई में देरी होती है। न्यायालय ने पाया कि ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन आदेश का पालन करते हुए गवाहों को पेश करने में भी लापरवाही बरती जा रही है। जबकि, अदालत ने समन पर तुरंत गवाहों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। संबंधित जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाना था। इन सब कमियों को देखते हुए न्यायालय ने कहा था कि अतिरिक्त महाधिवक्ता अशोक मेहता, प्रमुख सचिव (कानून), पुलिस महानिदेशक राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ बैठक करेंगे। न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए बैठक में चर्चा किए गए बिंदुओं को सूचीबद्ध करते हुए अगली तारीख से पहले न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे। पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अभियोजन) अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर निर्देशों के अनुपालन में एक हलफनामा दाखिल करेंगे। इसके बाद कई बार तारीखें लगीं, लेकिन डीजीपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हो पा रहे थे। बृहस्पतिवार को डीजीपी उत्तर प्रदेश, महानिदेशक (अभियोजन), प्रमुख सचिव न्याय अदालत में उपस्थित होकर आदेश के अनुपालन में हलफनामा प्रस्तुत किया।

13 हजार फीट की उंचाई पर अनामिका ने लहराया महाकुंभ का आधिकारिक झंडा

प्रयागराज। बैंकॉक में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर महाकुंभ का आधिकारिक झंडा लहराकर प्रयागराज की बेटी अनामिका ने देश–दुनिया को महाकुंभ का निमंत्रण दिया है। आठ जनवरी को अनामिका शर्मा द्वारा आसमान से लगाई गई छलांग के बाद उसे बधाई देने वालों का तांता लग गया है। विदित हो कि अनामिका एक प्रशिक्षित स्कूबा डाइवर भी हैं अर्थात वह स्काई डाइविंग करते हुए जल पर लैंडिंग कर सकती है। वह भारत की सबसे कम उम्र की स्काई सी लाइसेंस प्राप्त महिला स्काई डाइवर हैं। अनामिका के पिता पूर्व वायु सैनिक अजय कुमार शर्मा भी एक स्काई डाइविंग प्रशिक्षक हैं। इसके पूर्व अनामिका ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन को स्मरणीय बनाने के लिए 'जय श्रीराम' एवं श्री राम मंदिर के थीम के साथ 13000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई थी। यह छलांग भी अनामिका ने बैंकॉक में ही लगाई थी। अनामिका ने बताया कि मैंने जब भी आसमान में उड़ान भरी और ऊंचाई से छलांग लगाई तो यह भाव हमेशा जागृत रहा कि 'मेरा भारत महान'। महाकुंभ– 2025 के लिए इस अद्वितीय योगदान के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा रही है कि जब भी विश्व कल्याण के लिए कोई आयोजन होता है तब भारत के सभी प्राणी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान करते हैं। मैं तो फिर भी गर्व से कहती हूं कि मैं भारत की बेटी हूं। अनामिका की आगामी योजना है कि महाकुंभ की समाप्ति के बाद महिला सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में वह महिला दिवस आठ मार्च 2025 से पहले गंगा–जमुना–सरस्वती के संगम में पानी पर लैंडिंग का प्रदर्शन करेंगी।

एक छत के नीचे पांच देशों की संस्कृतियों का मिलन, पूर्वजों की पूजा भी करेंगे विदेशी संत-भक्त

प्रयागराज। महाकुंभ में पहली बार दुनिया के पांच देशों की संस्कृतियां और परंपराएं एक छतरी के नीचे गलबहियां करती दिखेंगी। इस शिविर में जापान के साथ रूस और यूक्रेन के संत–भक्त अपनी संस्कृतियों के साथ समागम करेंगे ही उसी परिसर में भारत और नेपाल के भी साधु–गृहस्थ कल्पवास करेंगे। वैश्विक स्तर पर 5 देशों की संस्कृतियों का यह महाकुंभ सेक्टर 18 में संगम लोवर मार्ग पर लगेगा। वहां जापान से आने वाले दो सौ से अधिक बौद्ध धर्म के भी अनुयायी भी सनातन के रंग में होंगे। जपानी संतों–भक्तों का मार्ग दर्शन योग माता केको आईकावा उर्फ कैला नंदगिरि करेंगी। स्वामी कैलानंद गिरि 11 जनवरी को यहां पहुंच रही हैं। इसी तरह रूस के साथ तीन वर्ष से भीषण युद्ध का सामना कर रहे यूक्रेन के प्रमुख धर्म पूर्वी रूढ़िवादी से संबंधित संत और सैकड़ों अनुयायी इस शिविर में समागम करेंगे। यूक्रेनी संत स्वामी विष्णुदेवानंद गिरि के साथ वहां से संत–भक्त यहां पहुंच रहे हैं। श्रद्धा सेवा शिविर में यूक्रेन से आने वाले संतों–भक्तों के लिए शिविर तैयार हो गए हैं। यज्ञ वेदी भी बनकर तैयार है। वहां घरेलू वेदियों को बनाकर मंदिरों लोक देवी के साथ ही पूर्वजों और आत्माओं की पूजा भी होगी। इसी तरह इस शिविर में नेपाल से आने वाले संत अपनी संस्कृति और परंपरा के साथ समागम करेंगे। 10 बीघा क्षेत्रफल में शिविर को तैयार किया गया है। इस शिविर में टाइल्स भी बिछाई जा रही है। शीशे की हवादार खिड़कियां तो होंगी ही, आरामदायक सोफे, पलंग भी बिछाए जा रहे हैं ताकि संतों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। श्रद्धा सेवा शिविर में पांच देशों के संतों–भक्तों की बसावट कैला माता की ओर से कराई जा रही है। इसके लिए मेला प्रशासन की ओर से कोई सुविधा नहीं ली गई है।

शहरियों को दर्शन देकर मेला पहुंचे नया उदासीन अखाड़े के संत

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला छावनी में शुक्रवार को 11वें अखाड़े के रूप में नया उदासीन अखाड़े के संतों ने प्रवेश कर लिया। छावनी प्रवेश से पहले अखाड़े के आराध्य श्रीचंद्र भगवान की अगुवाई में साधु संतों ने पहले प्रयागराज जिले के नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया और फिर महाकुम्भ की आभा बढ़ाने के लिए मेला क्षेत्र की ओर चल पड़े। अखाड़े की पेशवाई कीडगंज कार्यालय से शुरू होकर मुट्ठीगंज के रास्ते रामभवन चौराहे चौक से जानसेनगंज और जीरोरोड के रास्ते रामबाग और फिर परेड से मेला क्षेत्र छावनी की ओर गई। सबसे आगे धर्म ध्वजा और फिर महंत रामदास पैदल चलते हुए सभी संतों को प्रेरित करते दिखे। महंत जग्तार मुनि साथ–साथ चल रहे थे। संत जिस रास्ते से गुजरते लोग पुष्पवर्षा करते और उन्हें रोकर संतों की चरण रज लेते। संतों को देखकर महिलाएं और बुजुर्ग भक्तिभाव से भर जाते। भगवान शिव के दरबार और राधा कृष्ण की रासलीला की चौकियां लोगों को आकर्षित कर रही थीं। जिसे जगह–जगह रोककर लोगों को दिखाया गया। अखाड़े की पेशवाई के साथ डीजे पर भक्ति धुन बजती रही। जिसमें श्रीरामजी की सेना चली, जग में सुंदर हैं दो नाम, एक राधा एक मीरा, शिव तांडव स्रोत पूरे रास्ते बजते रहे। जो पूरे माहौल को उत्साह से भर रहा था। चौराहों पर श्रद्धालु तमाम धुनों पर खुद ही थिरकने लगे।

परिवार के साथ वृंदावन पहुंचे क्रिकेटर विराट कोहली

-आश्रम पहुंच कर संत प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

वृंदावन। क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ संत प्रेमानंद के रमन रेती क्षेत्र स्थित उनके आश्रम श्रीराधा केली

कुंज पहुंचे। यहां उन्होंने संत का आशीर्वाद प्राप्त किया। संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि विराट कोहली अपने अभ्यास को निरंतर को नियंत्रण रखते हुए आगे बढ़ें। अभ्यास पुष्टि हो गया तो जीत पक्की है। उन्होंने कहा की विजय के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है एक अभ्यास और दूसरा प्रारब्ध यदि प्रारब्ध नहीं है सिर्फ अभ्यास है तब भी जीत मुश्किल हो जाती है। इसके लिए प्रभु के ज्ञान के साथ साथ नाम जप आवश्यक है। संत प्रेमानंद ने कहा कि हम साधना के जरिए लोगों को आनंद करते हैं जबकि यह पूरे देश को आनंदित करते हैं। यह भी एक सेवा का मार्ग है। जिस देश का बच्चा बच्चा आनंदित होता है। इस दौरान अनुष्का शर्मा ने संत प्रेमानंद से प्रेम भक्ति का आशीर्वाद लिया। क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ उनके दोनों बच्चे भी संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने उनके आश्रम पहुंचे। कोहली और अनुष्का का प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लाखों लोग तक यह वीडियो सोशल मीडिया पर पहुंच गया। प्रेमानंद महाराज के अधिकार इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया गया। जिसमें कोहली और अनुष्का अपने दोनों बच्चे वामिका और अकाय के साथ प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने पहुंचे हैं। इस दौरान अनुष्का प्रेमानंद महाराज से बात कर रही हैं। कोहली और अनुष्का इससे पहले भी प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंच चुके हैं और इस बार वे अपने बच्चों के साथ वृंदावन पहुंचे हैं। कोहली और अनुष्का जैसे ही प्रेमानंद महाराज के सामने पहुंचे और सिर झुकाकर प्रणाम किया।

13 को महापंचायत में पहुंचेंगे राकेश टिकैत

-किसान महापंचायत के आयोजन को लेकर गांव गांव में किया जा रहा जनसंपर्क

मथुरा। वृंदावन में 13 जनवरी को होने वाली किसान महापंचायत में राकेश टिकैत पहुचेंगे। भारतीय किसान यूनियन टिकैत से जुडे स्थानीय पदाधिकारियों का कहना है कि राकेश टिकैत वृंदावन में

सोमवार को होने वाली किसान महापंचायत में पहुंचेंगे और किसानों को संबोधित करेंगे। महापंचायत में अधिक से अधिक किसान पहुंचे इसके लिए गावों में संगठन पदाधिकारियों द्वारा जनसंपर्क किया जा रहा है। गोवर्धन तहसील के गांव गांव में किसानों से भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों ने जनसंपर्क किया। किसानों से जनसंपर्क कर किसानों को जागृत करते हुए किसानों से होने वाली महापंचायत में पहुंचने की अपील की। गोवर्धन तहसील के राधा कुंड कोहनई, भगोसा, अडींग, जाजम पट्टी आदि गांव में किसानों को जागृत करने हेतु जनसंपर्क किया गया। जनसंपर्क में प्रमुख रूप से प्रदेश प्रवक्ता गजेंद्र सिंह परिहार मंडल अध्यक्ष आगरा रणवीर चार मंडल प्रमुख महासचिव जगदीश परिहार जिला अध्यक्ष मथुरा चौधरी धर्मवीर सिंह जिला उपाध्यक्ष योगेश अस्थान जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ मथुरा मीरा चौधरी वरिष्ठ कार्यकर्ता चंद्रपाल सिकरवार महानगर अध्यक्ष सलीम खान निजाम खान राजवीर नेताजी राकेश चौधरी ओम प्रकाश अर्जुन सिंह प्रधान जी सीमा शर्मा राजकुमार अशोक प्रधान तहसील संगठन मंत्री महावन बच्चू सिंह अभिषेक चौधरी शक्ति पाल विजय राजपूत फारूक मामा अकबर दयाराम चौधरी राम नारायण महावीर करण सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने इलेक्ट्रिक स्कूटी में मारी टक्कर, एक की मौत, एक घायल

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत अज्ञात वाहन की टक्कर से इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया। वहीं मृतक का शव मोर्चरी हाउस भेज दिया। यूपी के शाहजहांपुर के अंडखेडा गांव तिदुलिया निवासी धीरेंद्र पुत्र ऋषिपाल सिंह व उसका साथी शाहजहांपुर के थाना खुदागंज गांव मझला निवासी राहुल के साथ वृंदावन घूमने आए थे। बुधवार देर रात्रि इलेक्ट्रिक स्कूटी से मथुरा की तरफ जा रहे थे। तभी कोटा के नजदीक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें धीरेंद्र की मौके पर मौत हो गई। वहीं उसका साथी राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसमे वृंदावन स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय इलाज के लिए भर्ती करा दिया। मृतक का शव मोर्चरी हाउस भिजवा दिया। बृहस्पतिवार को परिजन के पहुंचने पर मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सुपुर्द कर दिया गया। थाना प्रभारी जैंत अश्वनी कुमार ने बताया शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अर्थव्यवस्था की तबाही में नोटबंदी मोदी सरकार की भयंकर भूल- प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने देश की अर्थव्यवस्था के लगातार अस्थिर होने पर मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले को भयंकर भूल करार दिया है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि नोटबंदी के फैसले के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश से सिर्फ पचास दिन मांगे थे। उन्होने कहा कि अब प्रधानमंत्री नोटबंदी के गलत फैसले को लेकर आखिर यह कैसे कह रहे हैं कि यह कहना कि इंसान के रूप में उनसे भी गलती हो सकती है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री का आधी सच्चाई के साथ नोटबंदी को लेकर गलती स्वीकार करना देश की तबाह हो रही अर्थव्यवस्था के साथ पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना और छलावा है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार की नाकाम आर्थिक नीतियों के चलते जीडीपी लगातार गिर रही है। उन्होने कहा कि पीएम आधे अधूरे मन से आधी सच्चाई बयां करने की जगह नोटबंदी तथा जीएसटी के गलत फैसले को लेकर पूरी गलती स्वीकार करते हुए फौरन देश से क्षमायाचना करें। उन्होने कहा कि जीएसटी के बोझ के चलते छोटे और मध्यम उद्योग लगभग मृतप्राय हो चुके हैं। वहीं उन्होनें कहा कि मोदी सरकार के जीएसटी के गलत फैसले के चलते कारोबारी क्षेत्र के साथ साधारण तथा गरीब व मध्यम वर्ग को भी कीमत चुकानी पड़ रही है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने मणिपुर के चिंताजनक हालात पर भी पीएम की घेराबंदी करते हुए कहा कि वह मणिपुर की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए स्थिति को संभालने में भी विफल साबित हुए है। उन्होनें कहा कि प्रधानमंत्री का स्वयं संवेदनशील राज्य मणिपुर में दौरा न करना भी आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में गंभीर लापरवाही का द्योतक है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि चीन के द्वारा भारतीय सीमा के निकट एक बडा बांध बनाने से चीन की आक्रामकता का पूर्ववत नजरिया सामने आया है। उन्होने कहा कि लददाख को लेकर प्रधानमंत्री के सीमा के अंदर न कोई आया है और न कोई है का झूठा दावा पहले ही बेनकाब हो चुका है। उन्होने कहा कि विदेश मंत्रालय का बयान तथा दोनों सेनाओं के मध्य सीमा के दोनों तरफ सैन्य वापसी का समझौता लददाख पर पीएम को देश को झुठलाने की कलई खोल गया है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार के विदेश नीति में भटकाव के चलते देश कोरोना की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना करने को विवश हुआ। उन्होने कहा कि पीएम का नमस्ते ट्रंप के लिए समय से अर्न्तराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक न लगाने के कारण कोरोना महामारी के भीषण फैलाव से हजारों निर्दोष जानें गयी। उन्होने कहा कि दुनिया के अन्य सभी देशों ने कोरोना काल में समय रहते अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए सुरक्षात्मक निर्णय लिया। उन्होने कहा कि इसके बावजूद पीएम मोदी का नमस्ते ट्रंप मोह और वैक्सीन निर्माण मे जल्दबाजी में उठाया गया कदम देश के लोगों को कोरोनाकाल की असह पीड़ा दे गया है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार की कमजोर पड़ रही विदेश नीति के कारण पडोसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक भारतीय असुरक्षा का जीवन जी रहे हैं। वही राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान भी फिर अर्न्तराष्ट्रीय पटल पर भारत को लेकर अर्नगल प्रलाप में जुट गया है। उन्होने कहा कि अर्थव्यवस्था की तबाही और आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में कमजोर प्रबंधन के साथ विदेश नीति मे भटकाव के चलते मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय साख पर लगातार बटटा लगना चिंताजनक है।

वहीं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने प्रयागराज के महाकुम्भ मेले की भी सफलता के लिए लोगों से आस्थामय वातावरण का आहवान किया है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी का यह बयान शुक्रवार को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

मंदिर स्थापना महोत्सव आज

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के दीवानी वार्ड स्थित बाबा बैजनाथ धाम परिसर में आज शनिवार को मंदिर स्थापना महोत्सव मनाया जाएगा। दोपहर एक बजे सामूहिक सुन्दरकाण्ड एवं भण्डारे का आयोजन किया गया है। यह जानकारी संयोजक प्रभाकर ओझा एवं सभासद संध्या शुक्ला ने दी है।

इलाज के दौरान युवक की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मचा है। लालगंज कोतवाली के पड़री गांव निवासी रोहित वर्मा 26 पुत्र प्रेमप्रकाश वर्मा बीती शुक्रवार की शाम करीब सात बजे बाइक से घर लौट रहा था। हाइवे पर खजुरी के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसका स्वरूपरानी अस्पताल प्रयागराज में इलाज चल रहा था। परिजनों के अनुसार बीते गुरूवार की सुबह घायल रोहित की मौत हो गयी। परिजनों ने श्रृंगवेरपुर में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

रसायन विज्ञान विभाग में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

प्रयागराज। भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार विषय पर सी.एम.पी.डिग्री कालेज के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो.जगदंबा सिंह नें कहा कि प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि "हम भारतीयों के प्रति बहुत आभारी हैं, जिन्होंने हमें अंकन की कला

प्रदान कीय इस आधार के बिना, हमारे कई सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक रहस्योद्घाटन अबूझ पहेली बने रहते।" भारतीय उपमहाद्वीप की समृद्ध ज्ञान–परंपरा प्राचीन काल में वैश्विक समुदाय के लिए अनुकरणीय आदर्श रही है। यह भारत की गंभीर अनुसंधान–वृत्ति, उन्नत वैचारिकी और वैज्ञानिक प्रगति की परंपरा परिणाम रहा है। 'आधुनिक सभ्यता के उद्गम स्थल' के रूप में प्रतिष्ठित प्राचीन भारतीय बुद्धिमत्ता विज्ञान, चिकित्सा, आध्यात्मिकता, भाषा–विज्ञान, तत्व मीमांसा, खगोल विज्ञान आदि विविध अनुशासनों को समाहित करते हुए विविध क्षेत्रों का समन्वय और सामरस्य करती रही है। मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो.राधे मोहन सिंह ने हेट्रो साइक्लिक कंपाउंड की नवाचार में उपयोगिता विषय पर अपना व्याख्यान दिया।विशिष्ट अतिथि प्रो.आई.आर. सिद्दीकी नें कहा कि आज दुनिया टेक्नोलॉजी और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अनेकों क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है,नवाचार के माध्यम से हम आगे बढ़ रहे हैं,कैंसर के उपचार,शुद्ध जल की उपलब्धता साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि भारत नें हासिल की है। विशिष्ट अतिथि डीन सांइस इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो.बेचन शर्मा नें कहा कि इस तरह के सेमिनार छात्रों के जिज्ञासा को शांत करते हैं और उन्हें खुद को प्रजेंट करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कायस्थ पाठशाला शासी निकाय के अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार सिन्हा नें कहा एकतरफ प्रयागराज में दुनिया का सबसे बडाध समागम आस्था एवं संस्कृति का महाकुंभ चल रहा है,वहीं दूसरी तरफ यह सेमिनार के माध्यम से कुंभ आयोजित हुआ है।विज्ञान के क्षेत्र में देश के महान वैज्ञानिको ने हमारे जीवनोपयोगी जरूरतों को पूरा करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना के साथ हुआ, अतिथियों का स्वागत प्रो.संतोष श्रीवास्तव नें किया संचालन डॉक्टर हिमानी चौरसिया नें किया। सेमिनार के प्रथम टेक्निकल सत्र में आनलाइन मोड में टेक्सास यूनिवर्सिटी यूएसए से अखिल सिंह नें आमंत्रित व्याख्यान दिया। यूनिवर्सिटी आफ साउदर्न डेनमार्क से प्रो.योगेंद्र कुमार मिश्रा नें आमंत्रित व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालयों,महाविद्यालयों से 106 फैकल्टीज एवं शोध छात्रों नें अलग आलग पैनलों के साथ अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

विद्युत विभाग ने एक ही गांव में 40 कनेक्शन काटे

-10 हजार से अधिक के बकायदारों के खिलाफ की गई कार्यवाही

मथुरा। विद्युत विभाग ने बिजली चोरी और बिल बकायेदारों से राजस्व की वसूली करने के लिए उपखंड अधिकारी शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में जेई अश्वनी यादव ने अभियान चलाकर 24 घरों के बिजली कनेक्शन विच्छेदित किए। चेतावनी दी कि यदि कोई उपभोक्ता केबिल कट करके, मीटर वाईपास या अन्य संसाधनों ने बिजली चोरी करता हुआ पाया जाता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। विभाग द्वारा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। बृहस्पति को विद्युत विभाग ने कस्बा चौमुहां के जुझार मुहल्ला में एसडीओ शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में जेई अश्वनी यादव ने चौकिंग अभियान चलाया। बिजली विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। एसडीओ शुभम अग्रवाल ने बताया कि 10 हजार से ऊपर वाले बकाएदार उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत कनेक्शन विच्छेन की कार्यवाही की जा रही है। बृहस्पति को 40 उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदित किए गए हैं। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि ओटीएस योजना एक जनवरी से 15 जनवरी तक जारी है। इस योजना में बकाएदार उपभोक्ता रजिस्ट्रेशन कराकर बिजली के बिल की ब्याज में शतप्रतिशत में छूट प्राप्त कर आसान किस्तों में अपना बकाया बिल जमा कर सकते हैं। अवसर ,लाइनमैन गुलशेर खान,संजू, डब्बू सोनी, आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी को वैश्विक भाषा बनाये जाने के लिए अधिवक्ताओं ने लिया जागरूकता का संकल्प

योगदान के लिए साथियों ने अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल को किया सम्मानित

लालगंज, प्रतापगढ़। विश्व हिन्दी दिवस पर शुक्रवार को तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने राष्ट्र भाषा हिन्दी को वैश्विक भाषा बनाए जाने का सामूहिक संकल्प जताया। वही कार्यक्रम में साथी के पत्रकारिता तथा लेखन व विधि क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मान भी किया गया। संयुक्त अधिवक्ता संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिन्दी को राष्ट्र भाषा घोषित कर इसे वैश्विक भाषा बनाए जाने की सरकारी पहल की आवाज उठायी गयी। कार्यक्रम में संघ के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश

शुक्ल को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रभारी बनाए जाने को अधिवक्ताओं के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि कहा गया। संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह व महामंत्री सूर्यकांत निराला तथा साथी अधिवक्ताओं ने उपलब्धि पर माल्यार्पण कर ज्ञानप्रकाश को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन पूर्व अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने किया। इस मौके पर राममोहन सिंह, अजय शुक्ल गुड्डू, लाल विनोद प्रताप सिंह, शैलेन्द्र सिंह, लाल अंकित प्रताप सिंह, विनय शुक्ल, नीरज सिंह, सिंटू मिश्र, धीरेन्द्र मिश्र, सुमित त्रिपाठी, गया प्रसाद मिश्र, अनिल पाण्डेय, आशीष तिवारी, चित्रसेन सिंह, शिवेन्द्र तिवारी, नीरज ओझा, आदित्य मिश्र, धर्मेन्द्र सिंह, राकेश पाण्डेय, अंकुर तिवारी, नामवर सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

मानसिक प्रताड़ना के चलते आत्महत्या को लेकर सुसाइड नोट मिलने से हडकंप, जांच में जुटी पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। युवक की आत्महत्या के मामले में जालसाजी के चक्रव्यूह में मानसिक प्रताड़ना की बात उजागर होने से परिजनों मे हडकंप मचा हुआ है। मौत को गले लगाने से पहले युवक ने दो पेज का सुसाइड नोट लिखा था। मृतक के कमरे में तकिये के नीचे सुसाइड नोट परिजनों को मिला तो वह आवाक रह गये। शुक्रवार को परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर मृतक के सुसाइड नोट को पुलिस को सौपते हुए कार्रवाई की गुहार भी की है। लालगंज कोतवाली के सांगीपुर वार्ड निवासी विश्वनाथ यादव के पुत्र श्रीराम 25 ने बुधवार की शाम चार बजे घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया था। गुरूवार को परिजनों ने मृतक का अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार से लौटे परिजनों ने कमरे में मृतक के बिस्तर पर तकिये के नीचे दो पेज का एक सुसाइड नोट देखा तो आवाक रह गये। सुसाइड नोट में मृतक श्रीराम ने लिखा है कि उसके घरवालों को कुछ नही होना चाहिए। मृतक ने यह भी कहा है कि उसकी मौत के पीछे घर के लोगों की कोई गलती भी नही है। सुसाइड नोट में मृतक ने हरदोई की एक फर्टिलाइजर कंपनी का जिक्र करते हुए एक आरोपी को बिहार का रहने वाला बताया है। सुसाइड नोट के मुताबिक कंपनी ने नौकरी का झांसा देकर उसे फंसाया और चोरी तथा जालसाजी की घटनाओं में जबरिया काम करवाने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट के मुताबिक कंपनी नौकरी का झांसा देकर बेरोजगार युवकों से गलत पेशे कराती है। सुसाइड नोट मे हरदोई के मन्ना पुरवा ओला आफिस के सामने एक हॉस्टल की मालकिन का भी जिक्र किया है। इसके तहत चार दर्जन से अधिक को इस गोरखधंधे में शामिल होना बताया गया है। मृतक के सुसाइड नोट में बार बार घर वालों को निर्दोष बताते हुए उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्रवाई न करने की बात दोहरायी गयी है। सुसाइड नोट मिलने के बाद परिजनों ने कोतवाली पुलिस को इसे सौंप दिया है। सुसाइड नोट को लेकर इलाके मे शुक्रवार को बेरोजगार युवको के साथ धोखाधड़ी पर मासूम जानों के भी अकाल मौतों को लेकर चर्चा का माहौल गर्म दिखा। मृतक श्रीराम की पिछले साल ही शादी हुई थी। वह बीटेक पास एक शिक्षित युवक था। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि मृतक के शव का पीएम कराया गया है, पीएम रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। सुसाइड नोट के बारे में जानकारी होने पर इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

बलिदान दिवस पर विशेष आलेख

धोखे से कैद कर राजा नाहर सिंह को अंग्रेजो ने दी थी फांसीः - रामवीर सिंह तोमर

छोटी सेना के बल पर अंग्रेजों को रगड़वाई थी नाक

मथुरा।जब आजादी की लड़ाई का जिक्र होगा, तब बल्लभगढ़ रियासत के महान योद्धा राजा नाहर सिंह का जिक्र भी जरुर

होगा। प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम जिसे 1857 की महान क्रांति के नाम से जाना जाता है। इसमें बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह अग्रणी क्रांतिकारियों में थे। वीर योद्धा राजा नाहर सिंह को 9 जनवरी 1858 को लालकिले के सामने चांदनी चौक में ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध विद्रोह के आरोप में फांसी पर लटकाया गया था। उनके साथ ही उनके विश्वस्त साथियों गुलाब सिंह सैनी और भूरा सिंह को भी फांसी दी गई थी। राजा नाहर सिंह के संघर्ष की कहानी खून और आंसुओं की है। उनका बलिदान अनूठा और प्रेरणादायक है। 6 अप्रैल 1821 को राजा बलराम सिंह तेवतिया के घर जन्में नाहर सिंह का विवाह कपूरथला घराने की राजकुमारी किशन कौर से हुआ था। 18 वर्ष की आयु में 20 जनवरी 1839 को बसंत पंचमी के दिन इनका राज्यारोहण हुआ। मात्र 36 वर्ष की आयु में 9 जनवरी 1858 को महान योद्धा राजा नाहर सिंह को धोखे से फांसी पर लटका दिया था। वीर योद्धा के सामने अंग्रेजों ने कई बार टेके घुटनेयअंग्रेजी सरकार को राजा नाहर सिंह से खतरा दिखाई देने लगा था, इसके बाद राजा नाहर सिंह और अंग्रेजों के बीच कई बार लड़ाई हुई। और छोटी सेना के बल पर अंग्रेजों को नाक रगड़वाई दी थी। इस बीच लगातार अंग्रेजों के साथ टकराव जारी रहा। इसी बीच 10 मई 1857 में अंबाला और मेरठ में सैनिक विद्रोह की चिंगारी भड़क गई थी जिससे देश भर में बगावत के सुर बुलंद हो रहे थे। राजा नाहर सिंह निडर और बहादुर राजा थे। राजा साहब न केवल तलवार के धनी थे बल्कि शासकीय कूटनीति में भी दक्ष थे। उन्होंने कई बार अंग्रेजी हुकूमत के साथ जमकर मुकाबला किया था और हर बार अंग्रेजी हुकूमत को हार का सामना करना पड़ा था। राजा नाहर सिंह की रणनीति से अंग्रेजी हुकूमत काफी परेशान थी। इसके बाद अंग्रेजों ने राजा नाहर सिंह के खिलाफ षड्यंत्र रचने शुरू कर दिए थे। उसके बाद अंग्रेजों ने षड्यंत्र के तहत एक दूत राजा नाहर सिंह के पास संदेश भेजा कि वह बहादुर शाह जफर से संधि करना चाहते हैं. संदेश मिलते ही राजा नाहर सिंह दिल्ली पहुंच गए और जैसे ही लाल किले के अंदर घुसे इस दौरान अंग्रेजी सेनाओं ने उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन पर सरकारी खजाने को लूटने का केस दर्ज किया गया। इलाहाबाद कोर्ट में ये केस चला । सरकारी खजाना लूटने के आरोप में दोषी ठहराते हुए राजा नाहर सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई। इसके बाद मात्र 36 साल की उम्र में महान योद्धा राजा नाहर सिंह को 9 जनवरी 1958 को चांदनी चौक के बीच चौराहे पर फांसी दी गई थी। महान योद्धा राजा साहब की याद में 9 जनवरी को शहादत दिवस के रूप में मनाया जाता है। फरीदाबाद में उनके नाम से राजा नाहर सिंह स्टेडियम बनाया गया. बल्लभगढ़ मेट्रो स्टेशन का नाम राजा नाहर सिंह मेट्रो स्टेशन रखा गया है। कई पार्क राजा नाहर सिंह के नाम से बनाए गए हैं । आज भी राजा नाहर सिंह का महल फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में मौजूद है जिसे अब सरकार टूरिज्म प्लेस के रूप में प्रयोग करती है। इसके अलावा आज भी राजा नाहर सिंह के वंशज उनकी धरोहर को राजा नाहर सिंह महल में संयोजे हुए हैं।

देश के लिए बलिदान देने वाले महान योद्धा को सादर शत शत नमन!

लेखक जाट संसार पत्रिका के लेखक, सामाजिक चिंतक और किसान नेता हैं!

झांसे में लेकर टप्पेबाजों ने वृद्ध से उड़ाये पचास हजार रूपये, जांच में जुटी पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। रिटायर्ड कर्मचारी को झांसे में लेकर टप्पेबाजों ने पचास हजार रूपये उडा लिये। पीडित ने घटना को लेकर तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के अझारा वार्ड निवासी विंध्यवासिनी तिवारी पालीटेक्निक प्रतापगढ़ में कर्मचारी थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह गांव रह रहे हैं। शुक्रवार को विंध्यवासिनी ने लालगंज स्थित बैंक आफ इण्डिया में अपने खाते से दोपहर बारह बजे पचास हजार रूपये निकाले। उसी समय बैंक में तीन अज्ञात आरोपी में से दो अंदर पहुंचे। अज्ञात आरोपियों ने विंध्यवासिनी को बताया कि वह बिहार से मजदूरी करके आ रहे हैं। आरोपियों ने कहा कि वह पढ़े लिखे नही हैं, उनके पास डेढ़ लाख रूपये है, इसे बैंक में जमा करना है। आरोपियों ने कपड़े में बंधा नोटों का बण्डल भी विंध्यवासिनी को थमा दिया। जब उन्होनें पैसा जमा करने के लिए फार्म भरना शुरू किया और जब आरोपियों से खाता संख्या पूछा तो आरोपी नही बता सके। इस पर विंध्यवासिनी ने आरोपियो से कहा कि डाक घर चलो वहां से तुम लोग जहां बताओगे मनीआर्डर करवा देंगे। आरोपियो के साथ विंध्यवासिनी हनुमत निकेतन मंदिर के पास पहुंचे तो एक आरोपी ने कहा कि कपड़े गंदे हैं खरीद लें। तब आरोपियों ने पीड़ित से पांच हजार रूपये मांगे और गुमराह कर पूरे पचास हजार रूपये ले लिये। इसके बाद आरोपी बहाना बताते वहां से रफूचक्कर हो उठे। विंध्यवासिनी ने काफी देर बाद आरोपियों द्वारा दिये गये नोटों की गडडी खोली तो उसमें से ऊपर व नीचे पांच–पांच सौ के नोट तथा भीतर कागज भरे थे। ठगी के शिकार पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी है। जानकारी मिलने पर लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर बैंक शाखा पहुंचे। सीओ ने पुलिस टीम के साथ सीसी फुटेज की पड़ताल की। सीओ का कहना है कि केस दर्ज कर शीघ्र ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

बड़ा उदासीन अखड़े की धर्म ध्वजा स्थापित

प्रयागराज। महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ मेले में बड़ा उदासीन अखाड़े की धर्म ध्वजा शुक्रवार को स्थापित हुई। मेला छावनी में सभी अखाड़ों के साधु संत पहुंचे और विधि विधान से पूजन किया गया। 52 फीट की तनी को क्रेन से उठाया गया। इसके साथ ही हनुमानजी के चित्र वाली ध्वजा का पूजन कर इसे फहराया गया। पूजन में मुखिया महंत दुर्गादास, महंत महेश्वर दास, सचिव व्यास मुनि के अलावा दूसरे अखाड़े के साधु संत मौजूद थे। अखाड़े के संतों ने बताया कि शुक्रवार को धर्म ध्वजा की स्थापना के बाद अब रविवार को अखाड़े की पेशवाई मेला छावनी में प्रवेश करेगी।

मेरी प्रिय हिंदी भाषा

हिंदी है मेरी भाषा लिपि देवनागरी ,
देवों के नगर से आई देवनागरी,

ललित विस्तार एक बौद्ध ग्रंथ था,
नागलिपी से नगरी नाम पड़ा था,
अक्षरों के क्रम में वैज्ञानिक भी होती,
देवों के नगर से आई देवनागरी।

हिंदी भाषा बहुत मधुर है ,
सरल ,मनोहर ,सुंदरतम है,
हम भारतीयों की शान है हिंदी,
देवों के नगर से आई देवनागरी।

सबको बांधती एक डोर में,
विविध कलाओं को अपने छोर में,
सूर, तुलसी,जायसी की तान है हिंदी,
देवों के नगर से आई देवनागरी।

भाषा को जानना हमारा राष्ट्रधर्म है,
सुखमय जीवन के लिए करना सत्कर्म है,
जब कभी तूफानों में कश्ती फंसी होगी,
उस दिन बनेगी दृढ़ता से पतवार ये हिंदी।

वेदों की रक्षा करने ब्राह्मी थी आई,
संविधान में राजलिपी कहलाई,
देववाणी संस्कृत शोभा थी तब पाई,
चंद के रासो की टंकार है हिंदी।

अंबर में जब तक सूरज चांद चमके,
मेरी हिंदी भाषा के मल्हार रहे गूंजते,
हमारी अस्मिता व आन बान शान है हिंदी,
पन्नों के बीच आज शोभायमान है हिंदी।

अनामिका तिवारी अन्नपूर्णा

सम्पादकीय.....

दिल्ली चुनाव इंडिया के लिये महत्वपूर्ण

देश की राजधानी में यह विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। पिछले दोनों या यूं कहें कि तीनों चुनावों में जिस तरह से आप ने सफलताएं अर्जित की थीं और उसकी ताकत में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई, उसके चलते कई संकटों के बावजूद आप मजबूती से चुनाव की धुरी बनी हुई है। वह भाजपा के साथ कांग्रेस को भी एक समान चुनौतियां पेश कर रही है। भाजपा के पास खोने को यहां बहुत कुछ नहीं है लेकिन असली दुविधा कांग्रेस के सामने है जिसे यहां अपना खाता तो खोलना ही है, भविष्य में इंडिया के इस महत्वपूर्ण घटक के साथ सम्बन्धों को बनाये रखने की भी चुनौती है जिसका वह नेतृत्व करती है। लोकसभा चुनाव चाहे खत्म हो गया हो परन्तु एक शक्तिशाली प्रतिपक्षी गठबन्धन जो ठोस स्वरूप ले चुका है वह कैसे बरकरार रहे– यह चिंता भी कांग्रेस को करनी है। जन लोकपाल आंदोलन की कोख से जन्मी आप ने अपने पहले ही चुनाव में बड़ी कामयाबी हासिल की थी। उसे 28 सीटें मिली थीं तथा कांग्रेस के सहयोग से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री तो बने थे परन्तु पर्याप्त बहुमत के अभाव में वे लोकपाल बिल पास नहीं करा पाये थे जिसका उन्होंने वादा किया था। 49 दिन की सरकार चलाने के बाद केजरीवाल ने फरवरी 2014 में इस्तीफा दे दिया था। उसके अगले साल हुए चुनाव में पार्टी को 70 में 67 सीटें मिली थीं। 2020 में भी उसे जबर्दस्त कामयाबी मिली थी, बावजूद इसके कि इस बार उसकी विधायक संख्या 62 रही। यह अवधि उसके लिये बड़े संकटों की रही क्योंकि इसी दौरान भाजपा के श्ऑपरेशन लोटसश के रडार पर वह सतत रही। कथित शराब घोटाले के आरोप में उसके एक मंत्री सत्येन्द्र जैन, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और खुद केजरीवाल गिरफ्तार होकर लम्बे समय तक जेलों में रहे। दिल्ली के उप राज्यपाल ने राज्य के काम–काज में केन्द्र सरकार के इशारे पर कदम–कदम पर अवरोध पैदा किये। उसकी शक्ति घटा दी गयी। सीमित शक्तियों व संसाधनों के बावजूद आप ने जो काम किये उसके चलते निम्न वर्ग अब भी उसका वोट बैंक बना हुआ है जिसके बल पर आप अगली बार फिर से सरकार बनाने का भरोसा रखती है। आप के जो भी नेता जेलों में थे, वे बेशक जमानत पाकर बाहर आ गये हों परन्तु भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिये भ्रष्टाचार को अपना प्रमुख हथियार बनाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए पार्टी का नाम तोड़–मरोड़कर श्आप–दाश कहने का जुमला गढ़ा और पार्टी को बेहद भ्रष्टाचारी दल बताया। हालांकि उन्हें पता है कि भाजपा जिस दल का मुकाबला कर रही है उसका मुख्य मुद्दा विकास है, जिसमें शिक्षा, पानी, बिजली, सड़क आदि की प्रमुखता है। इसलिये मोदी यह भी कह रहे हैं कि भाजपा की सरकार बनी तो दिल्ली विश्वस्तरीय राजधानी बनेगी। दूसरी ओर आप ने विकास को मुद्दा बनाये रखा है। पिछले और इस चुनाव के बीच अनेक घटनाक्रम हुए हैं, जिनका सम्बन्ध आप से है। पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करने के उद्देश्य से आप ने दशक भर में अनेक राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपने प्रत्याशी खड़े किये जिसके कारण भाजपा को कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को हराने में मदद मिली। इसलिये उस पर श्भाजपा की बी–टीमश होने का ठप्पा लगा। उसने इस ठप्पे को मिटाने की कोशिश तो नहीं की लेकिन जब भाजपा ने उनके नेताओं को जेल भेजना शुरू किया तो वह दबाव में आई और लोकसभा चुनाव के पहले वह इंडिया गठबन्धन का एक घटक बन गया, बावजूद इसके कि वह राज्यों में कांग्रेस से अलग होकर ही लड़ता रहा। पंजाब में उसे सफलता भी मिली। वह विपक्षी दलों में कांग्रेस के अलावा अकेली ऐसी पार्टी है जिसकी दो राज्यों में सरकारें हैं। कई राज्यों में कम या ज्यादा संख्या में उसके सदस्य विधानसभाओं में निर्वाचित होकर बैठे हैं। फिर, इस चुनाव में भी उसकी स्थिति इसलिये मजबूत मानी जा रही है क्योंकि पिछले दो चुनावों में मिली बड़ी जीतों का फायदा संभवतः उसे मिले, लेकिन एंटी इनकम्बेंसी को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस या भाजपा को पहले आप की विधायक संख्या के बड़े अंतर को पाटना होगा। लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा दिल्ली की सरकार आप के हाथों से छीन सकती है क्या, ये सवाल इस समय तेज हो रहा है। वहीं जिस तरह शीशमहल बनाम राजमहल की लड़ाई में आप और भाजपा उलझ रहे हैं, क्या उसमें कांग्रेस को फायदा हो जाएगा, इस पर भी सबकी निगाहें हैं। यदि यह मानकर चलें कि आप कम या ज्यादा सीटों के साथ सत्ता में लौटती है, तो इसका असर कांग्रेस के साथ उसके सम्बन्धों पर पड़ेगा।

हुआ है शह का मुसाहिब फिरे है इतराता

सर्वमित्रा सुरजन

लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव, बेईमानी, आचार संहिता का पालन, ऐसे सारे सवालों को हाशिए पर डालने का इससे बेहतरीन नुस्खा हो ही नहीं सकता। गालिब को टक्कर देने का दुस्साहस करने वाले शायर की पंक्तियों पर मुलाहिजा फरमाएं– सब सवाल अहमियत रखते हैं जवाब तो बनता है।

गालिब परेशान हैं, जिंदगी भर तंगहाल रहे, लेकिन शायरी के दम पर जो रुतबा कायम किया वो डेढ़ सौ साल बाद भी कायम ही है, अलबत्ता अब राजीव कु मार नाम के एक उभरते शायर उन्हें चुनौती देने की फिराक में नजर आते हैं। अपने समकालीन शायर शेख इब्राहीम जौक से भी गालिब की शायराना होड़ा होड़ी चलती थी, जिसमें गालिब कहते हैं– हुआ है शह का मुसाहिब फिरे है इतराता। वगरना शहर में गालिब की आबरू क्या है।। हालांकि जौक और गालिब दोनों ही ये मानते थे कि मीर उनसे महान शायर थे। गालिब ने मीर के लिए भी लिखा है कि–रेख्ते के तुम्हीं उस्ताद नहीं हो गालिब। कहते हैं अगले जमाने में कोई मीर भी था।। लेकिन इन नए उभरते शायर महाशय को अगले–पिछले किसी जमाने की परवाह नहीं है। यहां तक कि उन्हें अपनी शायरी पर इतना गुमान है कि वे रदीफ और काफिया की परवाह भी नहीं करते। इसलिए भरी महफिल में बेखौफ, बिना फरमाइश के, वे शायरी सुना देते हैं। आप उनसे सवाल कीजिए, वो बदले में आपको शायरी सुना देंगे। सवाल गुम, जवाब नदारद, और शायरी पर बिन मांगी वाह–वाह, इससे अधिक शह और उनके मुसाहिब को और क्या चाहिए। लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव, बेईमानी, आचार संहिता का पालन, ऐसे सारे सवालों को हाशिए पर डालने का इससे बेहतरीन नुस्खा हो ही नहीं सकता। गालिब को टक्कर देने का दुस्साहस करने वाले शायर की पंक्तियों पर मुलाहिजा फरमाएं– सब सवाल अहमियत रखते हैं जवाब तो बनता है। आदतन कलमबंद जवाब देते रहे, आज तो रू–ब–रू भी बनता है क्या पता हम कल हो न हो, आज जवाब तो बनता है।। कुछ और पंक्तियां देखिए– कर न सके इकरार तो कोई बात नहीं, मेरी वफा का उनको ऐतबार तो है। शिकायत भले ही उनकी मजबूरी हो, मगर सुनना, सहना और सुलझाना हमारी आदत है।। इन बेतुकी पंक्तियों को किस कोण से शायरी कहा जा सकता है, इस सवाल का जवाब तो उर्दू के जानकार ही देंगे, लेकिन देश के मीडिया को जी–हुजूरी की इतनी आदत पड़ गई है कि इन पंक्तियों पर दाद देने का सिलसिला चल रहा है। लिखा जा रहा है कि राजीव कुमार की मीडिया से बातचीत को उनकी शायरी का यह अंदाज खास बनाता है। खैर, पसंद अपनी–अपनी खयाल अपना–अपना। हालांकि राजीव कुमार की ऐसी पंक्तियों पर मिली दाद से फिर गालिब ही याद आते हैं, जिन्होंने लिखा– थी खबर गर्म कि गालिब के उड़ेंगे पुर्जे देखने हम भी गए थे प तमाशा न हुआ।। गालिब इसीलिए परेशान हैं, क्योंकि तब जो तमाशा नहीं हुआ, अब वो सरेआम हो रहा है। अब गालिब के पुर्जे उड़ रहे हैं, उड़ाए जा रहे हैं और महफिलें लूटने का दावा भी हो रहा है। कुछ दिनों पहले गायक दिलजीत दोसांझ प्रधानमंत्री मोदी से मिलने गए थे और वहां उन्होंने चंद पंक्तियां गाई थीं, जब वे गा रहे थे तो मोदीजी बगल में रखी मेज को तबला बनाकर संगत करने की कोशिश में दिखे। सुर और ताल का कोई मेल नहीं बना, लेकिन मीडिया ने वाह मोदीजी वाह जैसी दाद दी थी, हालांकि दिलजीत शायद हैरान हो रहे होंगे कि जैसी संगत उन्हें अपने किसी कार्यक्रम में, किसी मंच पर नहीं मिली, वो मोदीजी ने कैसे मुमकिन कर दिखाई। राहुल गांधी ने मोदीजी को बिल्कुल सही पहचाना है, उन्होंने एक बार कहा था कि वे भगवान को भी समझा सकते हैं कि उन्हें दुनिया कैसी चलानी है। दिलजीत दोसांझ के साथ बे ताल हो रहे मोदीजी को देखकर यही बात याद आई। वैसे दिलजीत दोसांझ जिस तरह काले कपड़ों में, काले आवरण में लिपटे गुलदस्ते को लेकर मोदीजी से मिलने गए थे, उसका जवाब मोदीजी इसी तरह दे सकते थे कि तुमने किसानों की बात की, अब तुम मेरा तबला वादन सुनो। दिलजीत को जवाब देने के बाद अब मोदीजी को फटाफट अपनी कविता की नयी किताब भी प्रकाशित करवा लेनी चाहिए, क्योंकि कौन जानता है कि उनके बचाव में शायरी सुनाते–सुनाते राजीव कुमार महाशायर का दर्जा हासिल कर लें और श्रीमान मोदी की महाकवि वाली छवि को चुनौती पेश हो जाए। प्रसून जोशी को तो भरपूर मौका मोदीजी ने दिया, अब उन्हें एक मौका कुमार विश्वास को भी देना चाहिए। कितने दिनों से नजर में आने की कोशिश कर रहे हैं और घटियापन की नयी–नयी मिसालें पेश कर रहे हैं। मोदीजी का एकाध साक्षात्कार कुमार विश्वास को मिल जाए, तो शायद उनका जीवन सफल हो जाए, मोदीजी के कवित्व को नया मुकाम मिल जाए और शायद राम को भी थोड़ी राहत मिले। गालिब की तरह राम भी खासे परेशान हैं कि उनके नाम पर हर तरह के अधर्म का डंका बजाया जा रहा है। जिन राम ने मर्यादा के उच्च मापदंड स्थापित किए, उनकी कथा कहने–सुनाने के नाम पर तमाम तरह के अमर्यादित बयान कुमार विश्वास दे रहे हैं और राम को लाने का दावा करने वाले मोदी राज की जनता ऐसी कि अपने देश की महिलाओं पर हो रही ओछी टिप्पणियों पर हंस–हंस तक ताली बजा रही है। कलयुग आने पर हंस के दाना चुगने और कौवे के मोती खाने पर भी अब उतना खौफ नहीं होता, जितना डर ये देखकर लगता है कि धर्म और संस्कृति के अवैध ठेकेदारों ने समाज को कितना निर्लज्ज बना दिया है। इस निर्लज्जता को कोई आईना दिखाए तो उस पर एफआईआर हो जाती है। अभी साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता, गोवा के लेखक दत्ता दामोदर नाइक पर आरोप लगा कि उन्होंने एक साक्षात्कार में

केजरीवाल का राजनीतिक भविष्य तय करेंगे 8 फरवरी के चुनाव परिणाम

सुशील कुट्टी

दिल्ली में विधान सभा के चुनाव 5 फरवरी को होंगे। 8 फरवरी को नतीजे घोषित किये जायेंगे। भाजपा ने घोषणा के कुछ ही मिनटों के भीतर एक पोस्टर जारी किया कि फरवरी के मध्य तक दिल्ली में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। लेकिन आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के दावे से भाजपा को झटका लगा, जिन्होंने चुनाव आयोग द्वारा तारीखों की घोषणा से पहले ही दावा किया कि दिल्ली के मतदाता अरविंद केजरीवाल को चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट देंगे, इसिलए कोई चिंता की बात नहीं। प्रियंका कक्कड़ के लिए अच्छी बात यह है कि रमेश बिधूड़ी उन्हें बुरा–भला नहीं कहेंगे। चुनाव आयोग ने चेतावनी दी है कि महिला उम्मीदवारों और आम तौर पर महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वालों को जवाबदेह ठहराया जायेगा और उन्हें जेल में डाला जायेगा। इस दुनिया के बिध ूड़ियों के खिलाफ मामले दर्ज किये जायेंगे। हां, जिसे वे श्जीरो टॉलरेंसश कहते हैं। निश्चित रूप से, बिधूड़ी जैसे स्त्री–द्वेषी लोग अपनी नाक को डिब्बे में बंद करके रखेंगे। बिधूड़ी को बस कुछ दिनों के लिए लिंचिंग से बचाया गया। अन्यथा, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और कांग्रेस की वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा बिधूड़ी की सजा का जश्न मना रही होतीं। चुनाव आयोग ने पुरुष उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को महिलाओं के बारे में बात करते समय अपनी भाषा पर ध्यान देने की चेतावनी दी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने यह बात कही, शेरो–शायरी के शुरुआती दौर के बाद उनका चेहरा सख्त था, कि अगर यह मतदाताओं को लुभाती है, तो यह 5 फरवरी को ही पता चलेगा। दिल्ली में कुल मतदाताओं की संख्या 1 करोड़ 55 लाख है, जिसमें पुरुष मतदाता 83.89 लाख और महिला मतदाता लगभग 71.74 लाख हैं। पिछले चुनाव से 1. 70 लाख मतदाताओं की वृद्धि हुई है। लेकिन शिकायतें हैं, वास्तव में आरोप हैं, कि मतदाता सूची में 5 लाख नये मतदाता जोड़े गये हैं। अगर यह सच है, तो यह एक बड़ी गड़बड़ी है और अगर भाजपा जीतती है, तो मोदी और शाह को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। आप और आप के श्राजनीतिक विश्लेषकों की वफादार टीमश इन अनुमानों का स्रोत हैं। एक बात तो तय है, अगर जो कहा गया है वह सत्य है तो ईवीएम को मतदाता सूची में धोखाधड़ी से कड़ी टक्कर मिलेगी, अगर अरविंद केजरीवाल हार जाते हैं, जो कि दूर की कौड़ी नहीं है। दिल्ली की धूल खाने लायक नहीं है। मजेदार सवाल यह है कि क्या रमेश बिधूड़ी भाजपा के मुख्यमंत्री बनेंगे? दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को हराना ही काफी होगा। बिधूड़ी हमेशा दावा कर सकते हैं कि उन्होंने अपने पिता को कभी नहीं बदला! लेकिन बिधूड़ी के पास कोई मौका नहीं है। वे पूरी तरह से बीमार हैं। रमेश बिधूड़ी ऐसे व्यक्ति हैं जो अपनी पत्नी को कभी सवाल पूछने या जवाब देने नहीं देंगे। चुनाव आयोग को रमेश बिधूड़ी को नाम लेकर चेतावनी देनी चाहिए थी, और स्पष्ट शब्दों में कहना चाहिए था कि बिधूड़ी जैसे लोगों को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया जायेगा। इसे बिधूड़ी प्रभाव कहिए। मीडिया को चर्चा का विषय मिल गया है। शाम को बिधूड़ी प्रभाव पर बहस होगी! भाषा और शिष्टाचार के मामले में बहुत पीछे रहने के कारण प्रधानमंत्री को खुद ही फटकार खानी चाहिए थी, लेकिन प्रधानमंत्री ऐसे मुद्दों पर अपनी सांसें बरबाद नहीं करते। प्रधानमंत्री के पास करने के लिए और भी बेहतर काम हैं, जैसे झुग्गी–झोपड़ी निवासियों को मुफ्त फ्लैट देना। आवास एक बड़ा मुद्दा है, न केवल भारत और दिल्ली में, बल्कि केनेडा में भी, जब जस्टिन ट्रूडो को अपने अहंकार से ऊपर उठकर प्रध ानमंत्री पद से हटना पड़ा क्योंकि वे मतदाता सूची में शामिल सभी केनाडाई लोगों को आवास नहीं दे पाये। नरेन्द्र मोदी अगर केनेडा के प्रधानमंत्री होते तो दो कार्यकाल पूरे कर लेते। यह एक अनुमान है, लेकिन अगर भाजपा को लगता है कि मुफ्त फ्लैट बांटने से दिल्ली पर राज हो जायेगा, तो दोबारा सोचें। मुफ्त चीजें जांच के दायरे में हैं और मुफ्त चीजें श्विकसित भारतश के सपने के साथ मेल नहीं खातीं। यह सोचना कि मोदी को महामानव कहा जा रहा है और उनके पास दिखाने के लिए सिफ 'झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों को मुफ्त में फ्लैट बांटे जा रहे हैं। झुग्गी–झोपड़ियों को खत्म होने में समय लग रहा हैय झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों का एक समूह मुफ्घ्त में फ्लैट पा रहा है, दूसरा समूह झुग्गियों में उनकी जगह ले रहा है। यह कभी खत्म नहीं होता, चाहे मुफ्त फ्लैट हो या पांच किलो आटा, दाल और चावल। मोदी का श्विकसित भारतश का रास्ता दुनिया भर में सही और समय–परीक्षणित तरीके से लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के जरिए नहीं है। मोदी के टीवी चौनलों पर इस पर बहस होनी चाहिए, लेकिन दिल्ली में किस पत्रकार में हिम्मत है कि वह मोदी से उनके गरीबी–उन्मूलन के फॉर्मूले के बारे में पूछे? अधिकांश शाम को, यह झूठ बोलने का समय होता है, जिसे प्राइमटाइम भी कहा जाता है, वह घंटा या दो घंटा जिसे कुछ टीवी चौनल न्यूज–आवर भी कहते हैं, जो एंकरों के बीच समय को संतुलित करता है ताकि कंटेंट की तुलना में कई तरह के चेहरे पेश किये जा सकें। फिर बड़े–बड़े झूठे लोग इन बहसों में हिस्सा लेते हैंय झूठ बोलने वाले और धोखेबाज, जो दर्शकों के सामने ईमानदार और सच्चे लगने में माहिर हैं, भले ही वे खुलेआम झूठ बोल रहे हों। यह सबके साथ ऐसा ही है। रिपब्लिक चलाने वाले और उसके मालिक से लेकर आज और कल यहां रहने वाले साथी तक। रिपब्लिक के साथी ने प्रध ाानमंत्री मनमोहन सिंह से बात करने का दावा किया है, ऐसा करने वाले वे एकमात्र पत्रकार हैं। फिर जब मनमोहन सिंह इस दुनिया से चले गये, तो उन्होंने इस मृदुभाषी सिख बुद्धिजीवी की खिंचाई की। एक ही कहानी को बार–बार दोहराते हुए, मनमोहन की बोलती बंद हो गयी! बाकी लोग भी इससे बेहतर नहीं हैं। उनके बीच एक बात समान है, वह है एक और केवल एक के प्रति उनकी निष्ठा! जो सीधे मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बन गये! आपने अनुमान लगाया, मीडिया द्वारा झूठ बोलने, झांसा देने और दर्शक और पाठक को धोखा देने का एक कारण यह आदमी भी है। अब यह अरविंद केजरीवाल पर निर्भर है। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ जिन्होंने अगले दिल्ली के मुख्यमंत्री के नाम के साथ भाजपा और कांग्रेस दोनों को मात दे दी। तो, क्या हुआ अगर वह उनके बॉस अरविंद केजरीवाल हुए? कक्कड़ टीवी डिबेट में नियमित रूप से आती हैं और वह आज शाम और कल भी वहां होंगी, झूठ बोलने वालों और झांसा देने वालों पर शोर मचायेंगी, जिनमें से कुछ को दर्शकों को एलिस वंडरलैंड की सैर कराने के लिए पैसे भी मिलते हैं। इडियट बॉक्स में कक्कड़ कभी भी भाजपा पर निशाना साधने से पीछे नहीं हटतींय इन दिनों कांग्रेस पर भी, और उन्होंने कहा कि उन्हें निष्पक्ष चुनाव और समान अवसर की उम्मीद है। ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग ने उनकी बात सुनी और कहा कि निष्पक्ष चुनाव के लिए समान अवसर होगा। आशा करते हैं कि चुनाव आयोग प्रियंका कक्कड़ को शर्म नहीं आती कहने का कारण न दे, जो कि किये गये वायदों और पूरे न किए जाने पर उनकी सामान्य प्रतिक्रिया है। प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ कल्पना के लिए कुछ भी नहीं छोड़ती हैं। अन्य दलों के प्रवक्ताओं के खिलाफ खड़े होकर, आप की प्रियंका कक्कड़ अपनी अलग पहचान रखती हैं और अक्सर सवालों के जवाब देते समय अलग–अलग बातों पर चली जाती हैं। प्रियंका का काम सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना करना है और वह न्यूज ऑवर में रोजाना ऐसा करती हैं। आश्चर्य की बात यह है कि प्रियंका कक्कड़ ने निष्पक्ष चुनाव में विश्वास व्यक्त किया।

अमृत–काल के इस कुम्भ में आखिर हलाहल क्यों छलके?

डॉ. दीपक पाचपोर

बस, ठीक चार दिन के बाद प्रयागराज का विश्वप्रसिद्ध कुम्भ प्रारम्भ हो जायेगा। गंगा–जमुना–सरस्वती की त्रिवेणी पर भरने वाला यह महाकुम्भ देश के अन्य तीन कुम्भ मेलों (क्षिप्रा के किनारे उज्जयिनी, गोदावरी तीरे त्रयम्बकेश्वर–नाशिक और गंगा तट पर हरिद्वार में) से कहीं अधिक प्रसिद्ध और लोगों को आकर्षित करने वाला कुम्भ होता है। हर 12 वर्षों में अलग–अलग वक्त पर लगने वाले कुम्भ के माहात्म्य का कारण भी भिन्न–भिन्न है और यह देशव्यापी जुटान विभिन्न राशियों के मिलान पर होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सभी स्थानों पर लगने वाले कुम्भ का एक सार्वभौम कारण यही है कि ये चारों वे स्थान हैं जहां समुद्र मंथन से निकले अमृत के लिये जब छीना–झपटी हुई तो उस बेशकीमती द्रव्य की चार बूंदें छलक कर इन्हीं स्थानों पर गिरी थी। अबकी फिर से बारी प्रयागराज की आई है (14 जनवरी से 26 फरवरी तक), लेकिन इसे लेकर जिस प्रकार के विचार तत्व अभी से सामने आ रहे हैं उससे साफ है कि अमृत–काल में पड़ने वाले इस कुम्भ में, वह भी नये भारत के धर्म–राज उत्तर प्रदेश में हिन्दुओं के इस महा समागम में अमृत–वृष्टि कम और हलाहल जमकर छलकने जा रहा है। पौराणिक काल में इन स्थानों पर अमृत छलकता हुआ देखने वाले तो अब दुनिया में रहे नहीं, लेकिन सभी पक्ष यदि समझदारी बरतें तो सामाजिक सौहार्द्र तथा समरसता के घट में इतना अमृत तो अब भी बचा हुआ है कि उसका आचमन कर देश में परस्पर प्रेम को अजर–अमर किया जा सकता है। अलग–अलग लोगों के इन मेलों के शुरू होने को लेकर विभिन्न विचार हैं। जब से भी ये कुम्भ मेले प्रारम्भ हुए होंगे, लोगों ने इसका एक ही स्वरूप देखा था– वह है इसके द्वार हर किसी के लिये खुले हैं। सम्भवतरू भारत का यही ऐसा मेला है जिसमें कोई किसी को बुलाता नहीं। न ही कोई किसी के आमंत्रण का इंतजार करता है। ऐसा हर कोई इनमें चला आता है जिसे आने की इच्छा हो। हर जाति, सम्प्रदाय, मजहब के लोग इसमें आते हैं। जो किसी धर्म में यकीन नहीं करते वे भी इसमें दिख जायेंगे। इतना ही नहीं, इसकी ख्याति इस कदर विश्वव्यापी है कि बड़ी तादाद में विभिन्न देशों के लोग आते हैं। यहां कोई किसी को आने से मना नहीं करता, न ही कोई तय करता रहा है कि कौन आयेगा कौन नहीं। पहली बार रीत बदली है। पिछली नवम्बर में अखाड़ा परिषद ने ऐलान कर दिया कि गैर हिन्दू लोगों को इसमें दुकानें नहीं लगाने दी जायेंगी। अप्रत्यक्ष तौर पर मुस्लिमों के लिये नो एंट्री। देखा–देखी कुछ मुस्लिम संगठन भी उतर आये। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिजवी ने पहले तो इसे असंवैधानिक व अलोकतांत्रिक कहा था, पर अब उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे एक पत्र में कहा है कि इस मेले में बड़ी तादाद में मुसलमानों का धर्मांतरण किया जा सकता है। इसलिये सीएम को चाहिये कि अखाड़ा परिषद व नागा संन्यासियों के मंसूबों को पूरा न होने दें जिन्होंने मेला क्षेत्र में मुसलमानों की दुकानों को प्रतिबंधित करने की मांग की है। जमीयत उलमा–ए–हिंद की उत्तरप्रदेश इकाई के कानूनी सलाहकार मौलाना काब रशीदी भी इसे संवैधानिक अधि ाकारों का हनन बताते हैं। वैसे ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने उदार रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि कोई मुसलमान अपने ज्ञानवर्धन के लिये इसमें जाना चाहे तो कोई आपत्ति नहीं है। उनके अनुसार–इस्लाम इतना कमजोर व हल्का नहीं कि कुछ लोगों के कहीं खड़ा होने, मेला देखने अथवा किसी मजहबी इबादतगाह को देखने से वह कमजोर पड़ जायेगा। वैसे तो कुम्भ केवल धार्मिक मेला नहीं है, लेकिन यदि इसका आधार धार्मिक ही मान लिया जाये तो इस वाद–विवाद को मजहबी लोगों की बहस हेतु छोड़ दिया जाना चाहिये था, लेकिन अब इसे लेकर कुछ गैर मजहबी लोगों का प्रवेश हो चुका है। अब तक तो महाकुम्भ में संकीर्ण बातों अथवा किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रचार–प्रसार में किसी की रुचि नहीं होती थीय लेकिन हाल के दिनों में कवितागिरी से ज्यादा रामनामी ओढ़कर कथा बांचने में अधिक रुचि ले रहे कुमार विश्वास अभी से वहां धूनी रमा चुके हैं। वे तीन दिन (7–9 जनवरी) वहां कथा सुना रहे हैं। उन्होंने वहां ललकार लगाई कि श्मायानगरी वाले सुन लें कि अब ऐसा नहीं चलेगा कि वे पैसा व शोहरत जनता से लें लेकिन अपने बच्चे का नाम बाहर से आये किसी आक्रमणकारी के नाम पर रखें।श उनका आशय फिल्मी कलाकार सैफ अली खान व करीना कपूर के बच्चे से था जिसका नाम तैमूर है। उन्होंने यह भी कहा कि श्इस कुम्भ में वे ही आयें जो राम को मानते हैं।श यह वाकई लोगों को हैरत में डालने वाली या उन्हें नाराज करने की बात है क्योंकि हिन्दू धर्म की ही बात करें तो वह बहुदेववादी है। इसमें विभिन्न सम्प्रदायों व मान्यताओं वाले लोग हैं जो एक सा श्रद्धा भाव लेकर कुम्भ में आते हैं। दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि भारत में हिन्दुओं के भीतर के कई सम्प्रदायों की आस्था का केन्द्र कोई और भी भगवान हो सकते हैं, कोई भी अवतार। कुमार विश्वास यह भी भूल जाते हैं कि भारत में कई ध र्म हैं जिनके आराध्य या श्रद्धा के केन्द्र दूसरे लोग हैं, फिर वे भगवान बुद्ध हो सकते हैं या महावीर। सिख धर्म तो गुरु ग्रंथ साहिब को मानता है। ऐसे में कुमार विश्वास की बात भारतीयों को बांटने वाली होगी तथा यह कुम्भ की भावना के ठीक विपरीत है। अब तक तो देखा यही गया है कि सभी चारों कुम्भ मेलों में तमाम धर्मों व सम्प्रदायों के लोग शिरकत करते हैं। दरअसल यहां सभी के लिये कुछ न कुछ होता है। यहां तक कि फोटोग्राफर, कलाकार, करतबबाज, गायक, लेखक, पत्रकार सभी इसमें पहुंचते हैं। यहां तक कि बड़ी संख्या में विदेशों से भी लोग आते हैं जिसके कारण भारत की संस्कृति व पर्यटन का प्रचार होता है। इनमें से ज्यादातर अलग धर्मों के होते हैं। इतना ही नहीं, भारत का समाज किस प्रकार का है, इसकी भी झलक इस मेले से मिलती है। नफरत फैलाकर कुमार विश्वास कोई राजनीतिक एजेंडा चला रहे हैं। बात यहीं तक नहीं ठहरती। राष्ट्रवादी कवि कहे जाने वाले मनोज मुंतशिर ने भी एक बयान दे दिया है। उन्होंने मुस्लिमों से पांच प्रश्न पूछे हैं और कहा है कि यदि उनके पास उनके जवाब हों तो वे मुस्लिमों के कुम्भ प्रवेश की बात करें। उनके सवाल हैं– क्या इस्लाम मूर्ति पूजा में विश्वास करता है, क्या मुसलमान समुद्र मंथन व अमृत मंथन की थ्योरी में भरोसा करते हैं, क्या संगम का इस्लामिक धर्म में महत्व है, क्या मुसलमान मानते हैं कि कि नागा साधुओं के दर्शन से जन्मों के पाप कट जाते हैंय और क्या मकर संक्रांति व मौनी अमावस्या का जिक्र इस्लाम में है? मनोज ने कह दिया है कि श्यदि ऐसा नहीं है तो कुम्भ मुसलमानों के लिये एक पिकनिक स्पॉट से अधिक कुछ नहीं है। उनके मुताबिक शहिन्दुओं के लिये कुम्भ 12 वर्षों का इंतजार है।

सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन फर्नांडीज को लिखा लेटर, 2025 को बताया नई शुरुआत

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को ठग सुकेश चंद्रशेखर से एक और पत्र मिला, जिसमें सुकेश ने अभिनेत्री को आगामी फिल्म फतेह की रिलीज के लिए शुभकामनाएं दी। सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र में अभिनेत्री को शुभकामनाएं देने के साथ ही अब साल 2025 को रिश्ते की नई शुरुआत का समय बताया। सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र में लिखा, मेरी लेडी लव जैकी, मेरी बोटा बोम्मा, आपको नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। बेबी गर्ल, 2025, यह हमारा साल है। वह साल जिसमें मैं तुम्हारे लिए अपने प्यार को साबित करने जा रहा हूं और अपने प्यार के लिए सबसे बड़ा सरप्राइज देने जा रहा हूं, इस दुनिया के सामने, जो सोचती है कि मैं जुनूनी हूं।" सुकेश ने आगे कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं तुम्हारा दीवाना हूं, मेरी बेबी और मैं जानता हूं कि तुम भी बहुत प्यार करती हो। हम पुराने समय के हैं और अगर आप वाकई उस व्यक्ति के लिए प्यार शब्द का मतलब समझते हैं, तो आपको अपने साथी के प्रति प्यार में डूबे रहना चाहिए। दुनिया क्या सोचती है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, सिर्फ इतना मायने रखता है कि आप क्या महसूस करते हैं और आपके पास क्या है। पत्र में उन्होंने दुनिया के बारे में ज्यादा ना सोचने की भी बात कही। उन्होंने कहा, ''दुनिया क्या सोचती है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, सिर्फ इतना मायने रखता है कि आप क्या महसूस करते हैं और आपके पास क्या है।" सुकेश ने यह भी लिखा कि यह साल किस तरह नकारात्मकता को ठीक करेगा। उन्होंने लिखा, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया को यह साबित करना है कि तथाकथित अपराध की कोई भी कहानी कभी सच नहीं थी और केवल एक चीज जो सच थी, वह थी हमारा एक–दूसरे के प्रति प्यार और जुनून। उन्होंने 'फतेह' के प्रमोशन के दौरान उनके देसी लुक पर भी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, "बेबी मुझे सरप्राइज देने के लिए शुक्रिया।उन्होंने जैकलीन को अपनी असली बार्बी डॉल बताते हुए कहा फोटोशूट "बहुत बढ़िया" था। उन्होंने आगे लिखा, "बेबी इस साल सरप्राइज की लिस्ट का इंतजार नहीं कर सकता। मैं उत्साहित हूं। सबसे पहले एक साथ वापस आना और इस दुनिया को एक–दूसरे के लिए अपने प्यार से रंगना। बेबी गर्ल एक बार फिर से आपके साथ हुई हर चीज के लिए माफी। इस साल 2025 में एक नई शुरुआत होगी, मैं वादा करता हूं कि आपको हम पर और हमारे प्यार पर गर्व महसूस होगा।"मेरा विश्वास करो बेबी, हमारी प्रेम कहानी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल कायम करेगी,

> "सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र में लिखा, मेरी लेडी लव जैकी, मेरी बोटा बोम्मा, आपको नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। बेबी गर्ल, २०२५, यह हमारा साल है। वह साल जिसमें मैं तुम्हारे लिए अपने प्यार को साबित करने जा रहा हूं और अपने प्यार के लिए सबसे बड़ा सरप्राइज देने जा रहा हूं, इस दुनिया के सामने, जो सोचती है कि मैं जुनूनी हूं।" सुकेश ने आगे कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं तुम्हारा दीवाना हूं, मेरी बेबी और मैं जानता हूं कि तुम भी बहुत प्यार करती हो।

निश्चित रूप से आपको गर्व महसूस कराएगी मेरी जान। बता दें, सुकेश चंद्रशेखर अभी भी जेल में है। उसे हाल ही में बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक मामले में जमानत दी थी, जिसमें उसे नौ साल पहले गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, ठग को उसके खिलाफ दर्ज कुछ अन्य मामलों में अभी भी जमानत मिलनी बाकी है।

अब कभी पॉलीटिकल फिल्में नहीं बनाऊंगी..कंगना का बड़ा फैसला, कहा–इमरजेंसी बनाने में बहुत मुश्किल हुई, मैं इससे इंस्पायर नहीं हूं

एक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनकी यह फिल्म 17 जनवरी, 2024 को पर्दे पर दस्तक देने जा रही हैं, लेकिन इमरजेंसी को रिलीज के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, तब जाकर इसे फाइनल डेट मिल पाई। वहीं, विवादों से गुजरी इस फिल्म को लेकर कंगना ने बड़ा फैसला लिया है। कगना का कहना है कि राजनीतिक मुद्दे पर बनी इस फिल्म को बनाने में उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इस वजह से वे भविष्य में कभी पॉलीटिकल फिल्में नहीं बनाएंगी। मीडिया के साथ इंटरव्यू में कंगना रनौत ने बताया कि मैं अब कभी कोई राजनीतिक फिल्म नहीं बनाऊंगी। मैं इससे बहुत इंस्पायर नहीं हूं। अब मुझे समझ में आया कि बहुत से लोग ऐसा क्यों नहीं करते, खासकर वास्तविक जीवन के किरदारों पर। इतना कहने के बाद मुझे लगता है कि अनुपम खेर जी ने मनमोहन सिंह के रूप में द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में कमाल किया। यह उनके बेस्ट परफॉर्मेंस में से एक है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो मैं इसे फिर कभी नहीं बनाऊंगी। कंगना रनौत की इमरजेंसी पहले 6 सितंबर 2024 को रिलीज हो रही थी, लेकिन इसका ट्रेलर देखने के बाद सिख समुदाय के लोग भड़क गए थे और फिल्म विवादों में आ गई थी। जब इस फिल्म से विवादित सीन हटा लिए गए तो इसे नई रिलीज डेट मिल गई। अब यह फिल्म 17 जनवरी को पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कहो ना प्यार है के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ होने से भ्तपजीपा त्वींद चिंतित? जानिए क्यों

25 साल पहले 14 जनवरी, 2000 को कहो ना प्यार है बड़े पर्दे पर रिलीज़ हुई थी। उस समय सोशल मीडिया के बिना भी, युवा अभिनेता ऋतिक रोशन वायरल हो गए थे। वे रातों–रात सनसनी बन गए। उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म में दोहरी भूमिका निभाई, एक रोहित कुमार– एक साधारण लड़का जो गिटार बजाता है और दिल से गाता है और राज चोपड़ा– जो रॉकस्टार की तरह गाता है और सपने जैसा नाचता है। उनके द्वारा निभाए गए दोनों किरदारों को समान प्यार मिला और उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से साबित कर दिया कि वे क्या करने में सक्षम हैं। वे कोई एक फिल्म के चमत्कार नहीं थे। वे सर्वोत्कृष्ट बॉलीवुड स्टार थे। पिछले कुछ वर्षों में, विभिन्न शैलियों की फिल्मों में अपने लगातार प्रदर्शन और एक के बाद एक दिलचस्प किरदारों के साथ, ऋतिक ने भारतीय सिनेमा के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। और आज, उनके 51वें जन्मदिन (10 जनवरी) पर उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है। जहां उनके प्रशंसक फिल्म देखने और उन्हें फिर से प्यार की कश्ती में और एक पल का जीना पर थिरकते देखने के लिए उत्साहित हैं, वहीं अभिनेता चिंतित महसूस कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री द रोशन्स के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए, ऋतिक ने कहा, ष्मुझे बस इस बात की चिंता है कि लोग अब 25 साल बाद फिर से फिल्म देखने जाएंगे और सोचेंगे, हम क्या सोचा रहे थे... यह फिल्म क्यों पसंद आई थी? इस सप्ताह की शुरुआत में इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने के जश्न और प्री–बर्थडे बैश में हममें से कुछ लोगों से बात करते हुए, उन्होंने कुछ महीने पहले एक बार फिर से फिल्म देखने पर अपनी प्रतिक्रिया भी बताई। जब मैंने कुछ महीने पहले इसे देखा तो मुझे लगा, कुछ ऐसा खास नहीं है। अभिनय, कहानी, सब कुछ इतना औसत था। फिर क्यों?ष् उन्होंने फिल्म के लिए मिले प्यार और पहचान के बारे में आश्चर्य जताया। 'मेरे बेटे मेरा मज़ाक उड़ाते हैं' ऋतिक ने उस समय को भी याद किया जब उनके बेटे रेहान और ऋदान ने फिल्म देखी थी और उन्होंने अपने पिता का गिटार गलत तरीके से पकड़े जाने का मज़ाक उड़ाया था। दोनों बच्चे गाते हैं और संगीत वाद्ययंत्र भी बजाते हैं। आखिरकार, उनके जीन में संगीत है, जो उन्हें उनके परदादा रोशन लाल नागरथ ने उपहार में दिया है। राकेश रोशन को नहीं लगता था कि ऋतिक रोशन अभिनय कर सकते हैं, जबकि हम ऋतिक रोशन के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, एक बहुत ही दिलचस्प पहलू जो रोशन की डॉक्यूमेंट्री में दिखाया गया है वह यह है कि ऋतिक रोशन एक अभिनेता कैसे बने। उन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में काम किया और कुछ फिल्मों में अपने पिता के साथ सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया। लेकिन उनके फिल्म निर्माता पिता को कभी यकीन नहीं हुआ कि ऋतिक अभिनय कर सकते हैं। उनका तर्क था कि ऋतिक एक शर्मीले, शांत व्यक्ति हैं, जो पृष्ठभूमि में कहीं अकेले बैठे रहते हैं। लेकिन उन्होंने अपने पिता को गलत साबित कर दिया क्योंकि उन्होंने दुनिया को चौंका दिया। हम ऋतिक रोशन को उनके 51वें जन्मदिन और फिल्मों में एक शानदार साल की शुभकामनाएं देते हैं। जबकि उनकी कहो नाञ्प्यार है सिनेमाघरों में चल रही है, उनके पास डॉक्यूमेंट्री द रोशन्स है, जो रोशन की तीन पीढ़ियों की यात्रा और संघर्ष के बारे में है, जो 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी। उनके पास अगस्त 2025 में वाईआरएफ की जासूसी एक्शन थ्रिलर वॉर 2 और क्रिसमस 2025 पर अल्फा में एक कैमियो है। वह इस गर्मी में अपनी सुपरहीरो फ्रैंचाइज़ी कृष 4 के साथ भी फ्लोर पर जाएंगे।

स्त्री का नया लुक! श्रद्धा कपूर ने फ्लॉन्ट किया न्यू हेयरस्टाइल, लिखा–बाल बाल जंच गई

स्त्री 2 फेम श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। श्रद्धा अपने फैंस को इंस्टाग्राम के जरिए अपडेट्स देती रहती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी न्यू हेयरस्टाइल की झलक दिखाई है। ये हेयरकट उन पर काफी जंच रहा है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर खुद की दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली फोटो में श्रद्धा अपने नए बाल कटवाने के बाद सैलून में मिरर सेल्फी लेती दिखीं। दूसरी तस्वीर में लिफ्ट में सेल्फी लेती नजर आईं। फोटोज में एक्ट्रेस डेनिम शर्ट के साथ नीले रंग की पैंट पहने दिखीं। अपने नए लुक की फोटोज में एक्ट्रेस मुस्कुराती नजर आईं। फोटोज को शेयर करते हुए श्रद्धा ने कैप्शन में लिखा–बाल बाल जंच गई। श्रद्धा कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को 2023 में फिल्म तू झूठी में मैं मक्कार में देखा गया था। इस फिल्म में वो रणबीर कपूर के अपोजिट रोल में थीं। वहीं 2024 में वो फिल्म स्त्री 2 में दिखीं। इस फिल्म ने कमाई में कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए। फिल्म में राजकुमार राव भी नजर आए थे।

हर्षवर्धन राणे की 'सनम तेरी कसम 2' कब रिलीज़ हो रही है? इंतं भ्वबंदम की वापसी की उम्मीद

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे जिन्होंने 2016 में रोमांटिक–ड्रामा सनम तेरी कसम से अपने अभिनय की शुरुआत की थी, एक बार फिर इसके सीक्वल में एक प्रेमी लड़के की भूमिका में नज़र आएंगे। सनम तेरी कसम 2 की घोषणा 2024 में की गई थी और तब से इस फ़िल्म को लेकर काफ़ी उत्सुकता है। निर्माताओं ने अभी तक इसकी रिलीज़ के बारे में आधिकारिक दावा नहीं किया है, लेकिन ऐसा लगता है कि फ़िल्म 2025 के अंत तक रिलीज़ हो जाएगी।

हर्षवर्धन तो नहीं, लेकिन मावरा होकेन का क्या?

11 सितंबर, 2024 को सनम तेरी कसम 2 के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर एक आधिकारिक पोस्ट शेयर करते हुए सीक्वल के आने की घोषणा की। तस्वीर में हर्षवर्धन को फ़िल्म के निर्माता के बगल में खड़े देखा जा सकता है। इसके बाद से ही फैंस यह जानने के लिए उत्साहित हैं कि पाकिस्तानी अदाकारा मावरा होकेन भी सरू के अपने किरदार को फिर से निभाने के लिए वापसी करेंगी। हालांकि, सनम तेरी कसम 2 के निर्माताओं ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

सनम तेरी कसम 2016 में रिलीज हुई थी

साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म सनम तेरी कसम बॉलीवुड की बेहतरीन लव स्टोरी फिल्मों में से एक है। इसका प्रदर्शन भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रहा था। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद भी किया था। अब मेकर्स ने इसके सीक्वल की घोषणा कर दी है। फिल्म में अभिनेता हर्षवर्धन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म सनम तेरी कसम में अभिनेता हर्षवर्धन श्इंद्रश और पाकिस्तानी अदाकारा मावरा होकेन श्सरूश का किरदार निभाते नजर आए थे। फिल्म में मनीष चौधरी, अनुराग सिन्हा, विजय राज, मुरली शर्मा और अन्य ने अहम भूमिका निभाई है।

सनम तेरी कसम 2 की रिलीज डेट

सनम तेरी कसम 2 इसी साल रिलीज होगी। उम्मीद है कि निर्माता जल्द ही फिल्म का पोस्टर और रिलीज की आधिकारिक तारीख भी साझा करेंगे।

लॉस एंजिल्स की भीषण आग का ऑस्कर 2025 पर पड़ा असर, नामांकन की तारीख में हुआ बदलाव

लॉस एंजिल्स में भीषण आग लगने से वहां काफी भयावह माहौल है। घर जलकर राख हो गए हैं और लोगों को जान बचाने के लिए अपने ठिकाने बदलने पड़ रहे हैं। हालातों को देखते हुए वहां की सरकार ने आपातकाल घोषित कर दिया है। वहीं, इस भीषण आग का असर 97वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर 2025) पर भी देखने को मिला है। जंगल की आग के कारण एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने ऑस्कर नामांकन वोटिंग की अंतिम डेट को बढ़ा दिया है। पहले, यह वोटिंग 8 जनवरी से शुरू होकर 12 जनवरी को समाप्त होनी थी, लेकिन अब इसकी समयसीमा 14 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, ऑस्कर नामांकन की घोषणा जो पहले 17 जनवरी को होने वाली थी, अब उसे 19 जनवरी तक टाल दिया गया है। इस बदलाव के बारे में अकादमी के सीईओ बिल क्रेमर ने बुधवार दोपहर को एक ईमेल के जरिए सदस्यों को जानकारी दी। ईमेल में लिखा गया, ष्हम दक्षिणी कैलिफोर्निया में लगी विनाशकारी आग से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हमारे कई सदस्य और उद्योग सहयोगी लॉस एंजिल्स क्षेत्र में रहते और काम करते हैं, इसलिए उनकी चिंता हमें है। हम आग से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। अकादमी ने यह भी बताया कि बुधवार रात को होने वाली अंतर्राष्ट्रीय फीचर शॉर्टलिस्ट स्क्रीनिंग को सप्ताह के अंत तक पोस्टपोन किया गया है।

शनि प्रदोष व्रत 2025: नए साल का पहला प्रदोष व्रत, शिव और शनि देव की कृपा पाने का खास मौका

प्रदोष व्रत हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा के लिए किया जाने वाला खास व्रत है। यह व्रत हर महीने की कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। जब यह व्रत शनिवार को पड़ता है, तो इसे शनि प्रदोष व्रत कहा जाता है। 2025 में नए साल का पहला प्रदोष व्रत 11 जनवरी को पड़ेगा और इसे शनि प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। इस दिन भगवान शिव के साथ शनि देव को भी प्रसन्न किया जा सकता है।

शनि प्रदोष व्रत की तिथि और समय

ज्योतिष के अनुसार, पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 11 जनवरी 2025 को सुबह 08.21 बजे से होगी और इसका समापन 12 जनवरी को सुबह 06.33 बजे पर होगा। व्रत की पूजा प्रदोष काल में ही की जाती है, जो 11 जनवरी को है। इसलिए यह व्रत उसी दिन रखा जाएगा।

इस दिन के शुभ योग

11 जनवरी 2025 को शनि प्रदोष व्रत पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन सुबह से दोपहर तक सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत योग का निर्माण होगा। यह योग इसे और भी अधिक फलदायी बनाते हैं।

कैसे करें शनि प्रदोष व्रत की पूजा?

शनि प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और शनि देव की पूजा का विशेष महत्व है। पूजा विधि–विधान से करनी चाहिए:

सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, अक्षत, और गंगाजल चढ़ाएं। शिव चालीसा का पाठ करें और भगवान शिव की आरती करें। शिवजी की पूजा के बाद शनि देव की पूजा करें। जिनकी कुंडली में शनि दोष, साढ़ेसाती या ढैय्या है, वे शनि शांति के लिए पीपल वृक्ष को जल चढ़ाएं। जल में तिल, उड़द और अक्षत मिलाएं। इसके बाद पीपल के नीचे दीपक जलाएं।

शनि प्रदोष व्रत का महत्व

शनि प्रदोष व्रत धार्मिक दृष्टि से बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन शिव और शनि देव को प्रसन्न करने से जीवन की हर बाधा दूर हो जाती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिन पर शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव है, उनके लिए यह व्रत विशेष लाभकारी होता है।

नए साल का खास मौका

11 जनवरी 2025 का शनि प्रदोष व्रत, नए साल का पहला प्रदोष व्रत है। यह शिव और शनि देव की कृपा पाने का उत्तम समय है। श्रद्धालु इस व्रत को रखकर अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं और शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

शिमला और कश्मीर से कम खूबसूरत नहीं ये ऑफबीट हिल स्टेशन, पर्यटकों की नहीं मिलेगी भीड़

घूमने के शौकीन लोग अक्सर छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। अक्सर घूमने का प्लान आते ही लोगों के मन में सबसे पहले हिल स्टेशनों के ऑप्शन पर ध्यान जाता है। हिल स्टेशन पर जाना अधिकतर लोगों को इसलिए भी पसंद होता है कि वह शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकें। लेकिन कई फेमस हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंचती है। अगर आप भी शिमला–मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं, तो यहां बहुत ज्यादा ट्रैफिक और भीड़ होती है। हालांकि कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं, जो कश्मीर, शिमला या मनाली से कम नहीं और लोग इनके बारे में अधिक जानते भी नहीं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर पर्यटकों की भीड़ कम होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचती है।

शांघड़ गांव

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक बेहद खूबसूरत गांव है। इस गांव का नाम शांघड़ है। बता दें कि इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड की तरह हैं। इसी वजह से इस गांव को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है।

शांघड़

यहां के मैदान में हरे–भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों और रंग–बिरंगे छोटे घरों का नजारा बिलकुल विदेशी पर्यटन जैसे लगता है। शांघड़ में आप शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज, बरशानगढ़ झरना और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है। इस जगह पर आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का नजारा देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

शांघड़ जाने के लिए आप अपने शहर से अंबाला, चंडीगढ़ या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर सड़क मार्ग से मनाली जाएं। इसके बाद शांघड़ पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कुल्लू हवाई अड्डा पहुंचकर भंतर से सैंज के लिए टैक्सी या बस पकड़ सकते हैं।

कनातल

यदि आप छिपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। कनातल में सीमित सैलानी आते हैं और प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए और भीड़–भाड़ से दूर सुकून के दो पल बिताने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग और ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78किमी की दूरी पर है। मसूरी से कनातल 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है।

ऐसे पहुंचें

कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे बस का सफर कर सकते हैं। अगर आप मसूरी या चंबा में हैं, तो आप भी टैक्सी या स्थानीय बस से कनातल की सैर कर सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन लोगों को कलगा गांव जाना चाहिए। यहां पर कलगा–बुनबुनी–खीरगंगा ट्रैक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में 3 दिन का समय लग सकता है। यह गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है।

ट्रैकिंग के अलावा आप यहां पर पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। तो वहीं सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

ऐसे पहुंचे कलगा

कुल्लू जिले के भुंतर तक सड़ और हवाई मार्ग से जा सकते हैं। यहां से हवाई अड्डे से 25 किमी की दूरी पर मणिकर्ण है। जहां के लिए बहुत आसानी बस या टैक्सी मिल जाती है। मणिकर्ण से महज 10 किमी की दूर कलगा गांव है। जहां से ट्रैक शुरू होता है।

लौंग के सेवन से दिल से लेकर दांतों तक मिलेगा आराम, जानिए इसके सेहत से जुड़े फायदे!

सर्दियों में अक्सर जुकाम, खांसी, गले में खराश जैसी समस्याएं हो जाती हैं। कई लोग इनसे राहत पाने के लिए रात को सोने से पहले लौंग खाने का उपाय अपनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय से सर्दियों की परेशानियों से निजात मिल सकती है। लेकिन क्या सच में रात को 2 लौंग खाना चमत्कारी फायदे दे सकता है? इस सवाल का जवाब हम आपको आयुर्वेदिक डॉक्टर से बताते हैं।

लौंग के फायदें

लौंग एक औषधीय मसाला है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। लौंग में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–वायरल गुण होते हैं, जिससे यह सर्दी–जुकाम, खांसी, और गले के इंफेक्शन से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, लौंग में एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करते हैं। रात को गुनगुने पानी के साथ 2 लौंग खाने से गैस, सूजन और अपच जैसी समस्याओं से भी राहत मिल सकती है। लौंग पाचन एंजाइम्स को उत्तेजित करता है, जिससे खाना जल्दी और अच्छे से पचता है।

लौंग का दर्द निवारक प्रभाव

लौंग में युजेनोल नामक तत्व पाया जाता है, जो एक प्राकृतिक पेनकिलर के रूप में काम करता है। यह दांतों के दर्द, सिरदर्द, और मांसपेशियों के दर्द को कम करने में सहायक हो सकता है। इसके अलावा, लौंग दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने, कोलेस्ट्रॉल कम करने और ब्लड फ्लो को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

नींद और इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद

लौंग शरीर को आराम देने में मदद करता है और इससे नींद में भी सुधार हो सकता है। लौंग के एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुण शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य बीमारियों से बचा रहता है।

कौन लोग लौंग का सेवन न करें?

हालांकि लौंग के कई फायदे हैं, लेकिन कुछ लोगों को इसे अधिक मात्रा में सेवन करने से बचना चाहिए। जिन लोगों को पेट की समस्याएं हैं, उन्हें लौंग का अधिक सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे पेट में जलन, मतली या अपच हो सकता है। गर्भवती महिलाओं को भी लौंग का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए, क्योंकि इससे प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन हो सकते हैं। जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्या है, खासकर लो ब्लड प्रेशर वाले लोग, उन्हें लौंग का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह उनके बीपी को और गिरा सकता है। कुछ लोग लौंग से एलर्जी महसूस कर सकते हैं, जैसे रैशेज, खुजली या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इसके अलावा, लौंग का ज्यादा सेवन दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे दांतों की समस्या हो सकती है। रात को गुनगुने पानी के साथ लौंग का सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं, जैसे सर्दी–जुकाम से राहत, पाचन सुधार, और दर्द में कमी। लेकिन इसे सही मात्रा में और सही तरीके से करना जरूरी है। अधिक सेवन से नुकसान भी हो सकता है, इसलिए इसे सावधानीपूर्वक ही इस्तेमाल करना चाहिए।

सीने में जमे बलगम को आसानी से निकाल देगा ये देसी काढ़ा, जल्द मिलेगा आराम

पूरे देश में इन दिनों सर्दी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। लगातार पारा गिर रहा है और गिरते पारे के साथ खांसी और सर्दी–जुकाम जैसी समस्या बढ़ती जा रही है। सर्दियों के मौसम में सीने में बलगम जमने की समस्या हो जाती है। इसकी वजह से खांसी और कई बार सांस लेने में भी मुश्किल होती है। सीने में जमे बलगम की वजह से कई बार नींद का आना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार खांस–खांसकर सीने और पसलियों में दर्द भी होने लगता है। वैसे तो ठंड बढ़ने पर यह समस्या काफी आम होती है। लेकिन इस पर समय रहते ध्यान देना जरूरी होता है। वरना आपकी मुश्किल और भी बढ़ सकती है। बता दें कि सीने में जमा बलगम, गले का इंफेक्शन और सर्दी–खांसी कई बार निमोनिया का रूप ले लेती है। इसलिए इस पर समय रहते ध्यान देना चाहिए। सीने में जमे बलगम के कारण आपको सांस लेने में मुश्किल आ रही है और खांस–खांसकर आपका बुरा हाल हो गया है, तो दादी–नानी मां का देसी काढ़ा आपकी सहायता कर सकता है।

देसी काढ़ा की सामग्री

मुलेठी– आधा इंच
अदरक– आधा इंच
लौंग– 4–5
काली मिर्च– 5–6

बनाने की विधि

सबसे पहले इन सभी चीजों को पानी में डालकर तब तक उबालें, जब तक इसका रंग न बदलने लगे।

अब इसको छान लें और रूम टेम्परेचर पर आने दें।

फिर इसमें शहद मिक्स कर लें।

इसके बाद आप दिन में दो बार इसका सेवन कर सकती हैं।

नानी मां का यह देसी काढ़ा

बता दें कि मुलेठी और शहद में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह सीने में जमे बलगम को पतला करता है और उसको आसानी से बाहर निकालने में सहायता करता है।

मुलेठी में ब्रोन्कोडायलेटर गुण पाए जाते हैं। यह पुरानी से पुरानी खांसी को दूर करने में सहायक है और छाती में जमे बलगम और गले की खराश को दूर करने में भी असरदार है। यह काढ़ा खांसी और जुकाम को कम कर सकता है।

इस काढ़े की तासीर गर्म होती है और सर्दियों में इसका सेवन करना काफी फायदेमंद होता है।

एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आपको लगातार खांसी की समस्या है या गला सूख रहा है। तो सोते समय इस काढ़े का सेवन जरूर करना चाहिए।

अदरक में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटी–बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। बलगम को बाहर निकालने में सहायता कर सकते हैं।

खांसी, फ्लू, सर्दी, बदन दर्द और बलगम की समस्या से निजात पाने में यह काढ़ा काफी फायदेमंद है।

लौंग में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाया जाता है। यह गले की खराश और दर्द को कम कर सकता है।

लौंग और काली मिर्च छाती में गर्माहट पैदा करने का काम करती है। इससे फेफड़ों में जमा बलगम आसानी से बाहर निकल जाता है।

संक्षिप्त

भारत ने अन्य देशों की तुलना में अधिक शक्तिशाली हाइड्रोजन ईंधन ट्रेन इंजन बनाया : वैष्णव

भुवनेश्वर, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले ट्रेन इंजन दुनिया में सबसे अधिक हॉर्स पावर वाला इंजन है। वैष्णव ने यहां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के ''हरित जुड़ावरू प्रवासियों का सतत विकास में योगदान'' शीर्षक से एक पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। वैष्णव ने कहा कि, ''वे 500 से 600 हॉर्स पावर के बीच वाले इंजन का उत्पादन करते हैं, जबकि भारतीय रेलवे द्वारा स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके निर्मित इंजन की क्षमता 1,200 हॉर्स पावर है, जो इस श्रेणी में अबतक का सबसे अधिक है।'' मंत्री ने कहा कि इस तरह की पहली ट्रेन का जल्द ही हरियाणा में जींद–सोनीपत मार्ग पर परीक्षण होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इंजन निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन वर्तमान में इसकी प्रणाली का एकीकरण चल रहा है। मंत्री ने कहा कि इस तरह की तकनीकी उन्नति से देश को आत्मविश्वास मिलता है और भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के मामले में अभी लंबा सफर तय करना है तथा मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनने की जरूरत है। मॉरीशस के विदेश मामलों के कनिष्ठ मंत्री हंब्याराजन नरसिंहन, जिन्होंने पैनल चर्चा में भाग लिया, ने अपने देश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया तथा हरित प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने में भारत से समर्थन मांगा।

जेएसडब्ल्यू स्टील का एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन तीसरी तिमाही में 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली जेएसडब्ल्यू स्टील का चालू वित्त वर्ष 2024–25 की तीसरी तिमाही में एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़कर 70.3 लाख टन हो गया। जेएसडब्ल्यू स्टील ने बीएसई को दी सूचना में बताया, कंपनी का वित्त वर्ष 2023–24 की तीसरी (अक्टूबर–दिसंबर) तिमाही में इस्पात उत्पादन 68.7 लाख टन रहा था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में पूर्व परीक्षण (ट्रायल रन) के अलावा भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत रहा। कंपनी ने कहा, ''अक्टूबर महीने में डोल्वी स्थित एक ब्लास्ट फर्नेस में अस्थायी रखरखाव कार्य के कारण तिमाही में उत्पादन और क्षमता उपयोग प्रभावित हुआ था, जिसका सामान्य परिचालन नवंबर के पहले सप्ताह में पुनः शुरू हुआ था।'' जेएसडब्ल्यू स्टील 24 अरब अमेरिकी डॉलर के विविधीकृत जेएसडब्ल्यू समूह का प्रमुख व्यवसाय है। भारत के अग्रणी व्यावसायिक घरानों में से एक के रूप में जेएसडब्ल्यू समूह का कारोबार ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, सीमेंट, पेंट्स, रियल एस्टेट, परिवहन, रक्षा, खेल और उद्यम पूंजी सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैला है।

रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे की गिरावट के साथ 85.87 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा में मजबूती तथा विदेशी पूंजी की भारी निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.87 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने भी भारतीय मुद्रा पर दबाव डाला, हालांकि घरेलू शेयर बाजारों से सकारात्मक संकेतों से इसे कुछ समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि साथ ही 20 जनवरी के बाद डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में नए अमेरिकी प्रशासन के प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों की प्रत्याशा के बीच मांग बढ़ने से डॉलर मजबूत हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.88 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के साथ 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.86 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109.03 पर रहा। 10–वर्षीय अमेरिकी बॉण्ड का प्रतिफल भी बढ़कर 4.68 प्रतिशत हो गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77.16 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 7,170.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

छोटे व्यवसायों के जुटाए गए धन के अंतिम उपयोग पर नजर रखने के लिए संस्थानों की जरूरत : एसबीआई चेयरमैन

मुंबई,एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने छोटे व्यवसायों के उधार या शेयर के रूप में जुटाए गए धन के अंतिम इस्तेमाल पर नजर रखने के लिए बाजार बुनियादी ढांचा संस्थान के निर्माण की वकालत की। शेट्टी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक ''व्यवहार्य तंत्र'' की आवश्यकता है कि धन का इस्तेमाल इच्छित उद्देश्यों के लिए किया जाए। उनकी यह टिप्पणी धन के अंतिम उपयोग के विषय पर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। शेट्टी ने कहा, '' हमें इन निधियों के वास्तविक उपयोग पर नजर रखने के लिए एक व्यवहार्य तंत्र की आवश्यकता होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निधियों का इस्तेमाल उन्हीं उद्देश्यों के लिए किया जाए जिनके लिए उन्हें जुटाया गया है। इसके लिए संभवतः एक अलग बाजार अवसंरचना संस्थान की स्थापना की जाएगी, जिसके पास उधार ली गई निधियों या शेयर के जरिये जुटाई गई निधियों के इस्तेमाल पर नजर रखने का अधिकार होगा।'' भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा प्रवर्तित एनआईएसएम द्वारा यहां आयोजित एक सम्मेलन में शेट्टी ने कहा कि इस तरह के मंच के निर्माण से ऋणदाताओं के साथ–साथ निवेशकों को भी सुविधा मिलेगी तथा मूल्य निर्धारण अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ऋणदाताओं पर धन के अंतिम इस्तेमाल की निगरानी करने का दबाव डाल बना रहा है, खासकर छोटे व्यवसायों द्वारा उधार लिए गए धन के इस्तेमाल पर.।

आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने पर प्रत्येक मैच में शतक जड़ सकते हैं पंत :अश्विन

रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत अपने आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने में सफल रहते हैं तो वह प्रत्येक मैच में शतक बना सकते हैं। अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की पंत की क्षमता की सराहना करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके कई शॉट बहुत जोखिम वाले होते हैं।

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत अपने आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने में सफल रहते हैं तो वह प्रत्येक मैच में शतक बना सकते हैं। अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की पंत की क्षमता की सराहना करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके कई शॉट बहुत जोखिम वाले होते हैं। पंत ने हाल ही में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें मैच की पहली पारी में अपने रक्षात्मक खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए 40 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, ''हमें उसे ठीक से बताना होगा कि अगर उसे ठोस बल्लेबाजी करनी है या किसी इरादे के साथ बल्लेबाजी करनी है तो उसे क्या करना है। उसने बहुत सारे रन नहीं बनाए हैं, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उसने रन नहीं बनाए हों। उसके पास अभी बहुत समय है।'' उन्होंने कहा, ''ऋषभ पंत को अभी तक भी अपनी पूरी क्षमता का अहसास नहीं हुआ है। उसके पास सभी तरह के शॉट हैं – रिवर्स स्वीप, स्लॉग स्वीप, सब कुछ – लेकिन समस्या यह है कि ये सभी शॉट बहुत जोखिम वाले हैं। अगर वह अपने रक्षात्मक खेल पर भी ध्यान दे और 200 गेंद का सामना करें तो वह हर मैच में बड़ा स्कोर बना सकता है।'' हाल ही में संन्यास लेने वाले अश्विन ने कहा, ''मुख्य मसला संतुलन बनाने का है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है तो फिर प्रत्येक मैच में शतक बना सकता है। उसे बीच का रास्ता ढूंढना होगा।'' पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन और उसके बाद दूसरी पारी में 33 गेंदों में 61 रन बनाए। अश्विन ने कहा, ''पंत ने सिडनी टेस्ट में विपरीत अंदाज वाली दो पारियां खेली। उन्होंने पहली पारी में रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए 40 रन बनाए जिसकी कोई चर्चा नहीं हुई। यह सही नहीं है।'' इस ऑफ स्पिनर ने कहा,''दूसरी पारी में, उन्होंने जोरदार अर्धशतक बनाया, जिससे उन्हें काफी प्रशंसा मिली। हर कोई उस पहली पारी को भूल गया और दूसरी पारी के लिए उनकी प्रशंसा की।'' पंत की रक्षात्मक तकनीक के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा,''हमें इस पर गौर करना चाहिए कि ऋषभ पंत शायद ही कभी रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए आउट हुआ हो। उसके पास विश्व क्रिकेट की सबसे अच्छी रक्षात्मक तकनीक में से एक है।'' उन्होंने कहा, '' मैंने उसे नेट्स पर काफी गेंदबाजी की है, वह आउट नहीं हुआ। गेंद उसके बल्ले का किनारा लेकर नहीं जाती। वह एलबीडब्ल्यू नहीं होता। उसकी रक्षात्मक तकनीक बहुत अच्छी है और मैंने उसे यही बताने की कोशिश की है।

चालू वित्त वर्ष में पूंजी बाजार से जुटाई गई राशि 21 प्रतिशत बढ़कर 14.27 लाख करोड़ हो जाएगी : बुच

मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने कहा कि शेयर और ऋण साधनों सहित पूंजी बाजारों से जुटाई गई कुल राशि के चालू वित्त वर्ष 2024–25 में करीब 21 प्रतिशत बढ़कर 14.27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह वित्त वर्ष 2023–24 में 11. 8 लाख करोड़ रुपये थी। बुच ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024–25 के पिछले नौ महीनों में संस्थाओं ने शेयर से 3.3 लाख करोड़ रुपये और ऋण बाजारों से 7.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं, जिससे कुल जुटाई गई राशि 10.7 लाख करोड़ रुपये हो गई। बुच ने यहां एनआईएसएम द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में कहा, ''यदि हम चौथी तिमाही (जनवरी–मार्च) के लिए अनुमान लगाएं, तो संभवतः वर्ष के दौरान शेयर तथा ऋण दोनों के रूप में पूंजी के रूप में 14 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए जाएंगे।'' बुच ने कार्यक्रम में एक प्रस्तुति पेश की जिसमें वित्त वर्ष 2024–25 में जुटाई गई राशि का अनुमान 14.27 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। सेबी प्रमुख ने कहा कि रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों, बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों और म्युनिसिपल बॉण्डों द्वारा जुटाई गई धनराशि का वित्त वर्ष 2024–25 के पहले नौ महीनों में जुटाई गई कुल पूंजी में बेहद कम योगदान रहा। यह करीब 10,000 करोड़ रुपये है, लेकिन अगले दशक में इसके शेयर तथा ऋण बाजारों से जुटाई गई धनराशि से भी अधिक होने की संभावना है। बुच ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक निर्गमों के निपटान में लगने वाले समय को कम करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) के बोर्ड प्रस्तावों के निपटान में लगने वाले समय को कम करने की भी प्रतिबद्धता जतायी। उन्होंने कहा कि नियामक ने निर्गमों में तेजी लाने के लिए एक प्रणाली बनाई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उद्योग भी इसे अपनाएगा। सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक म्यूचुअल फंडों के नए प्रस्तावों को काफी तेजी से मंजूरी दे रहा है। साथ ही 250 रुपये की न्यूनतम राशि के साथ व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) जल्द ही शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सेबी को विभिन्न पहलुओं पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने के लिए कुछ क्षेत्रों से आलोचना का सामना करना पड़ता है, लेकिन यदि हमें विकास के मोर्चे पर अपनी आकांक्षाओं को पूरा करना है तो यह गति आवश्यक है।

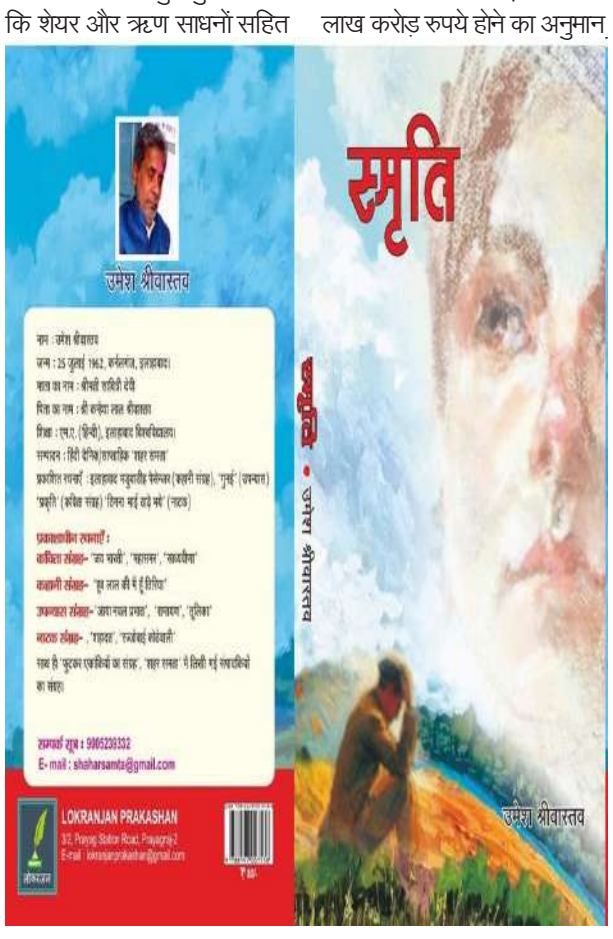

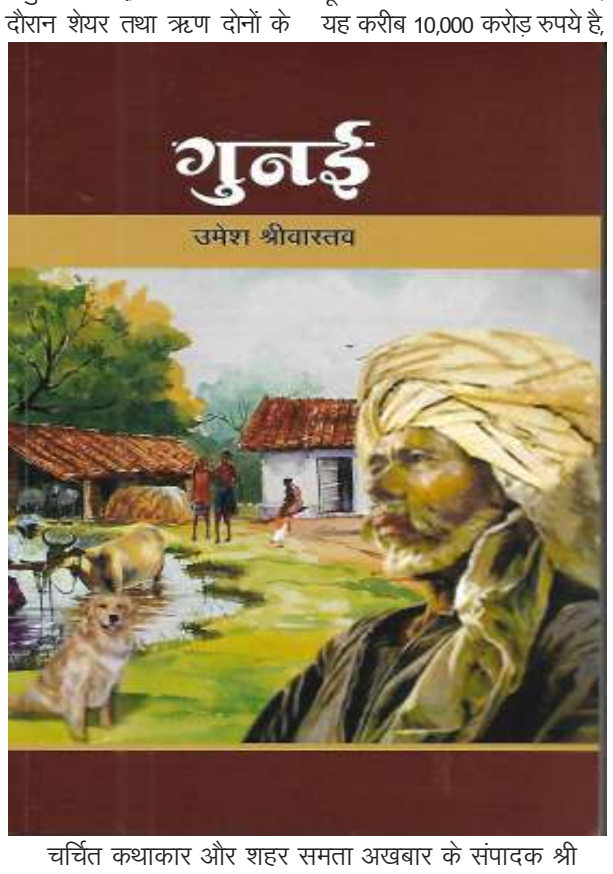

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

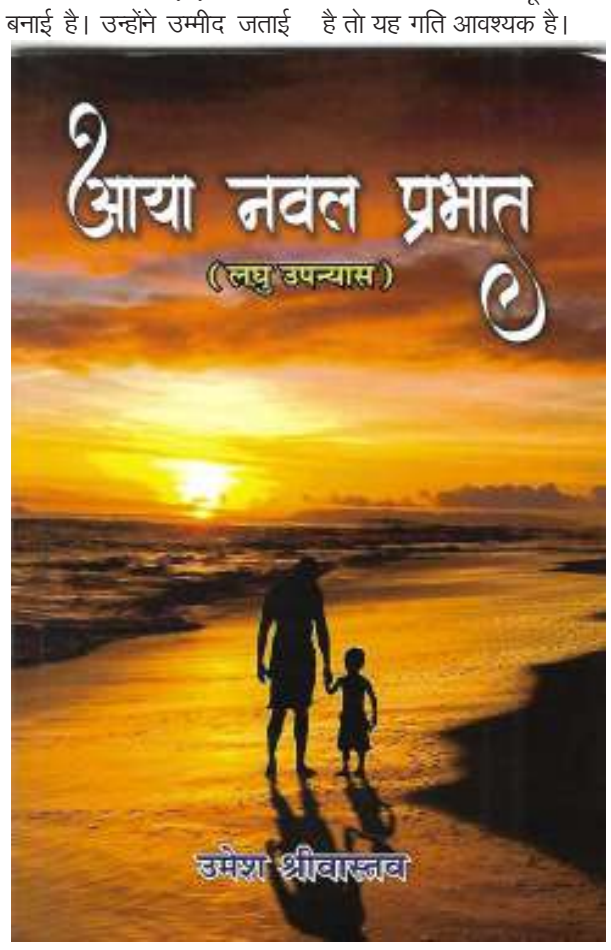

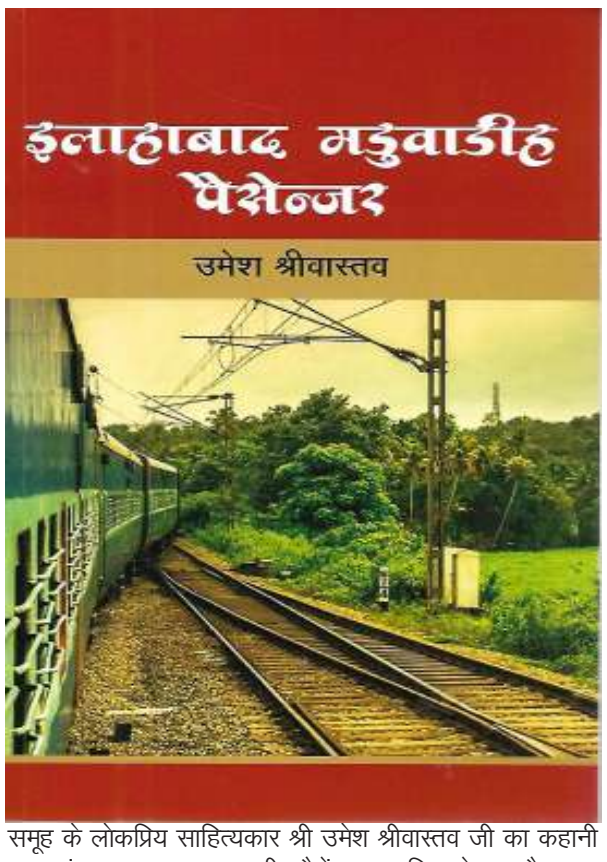

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

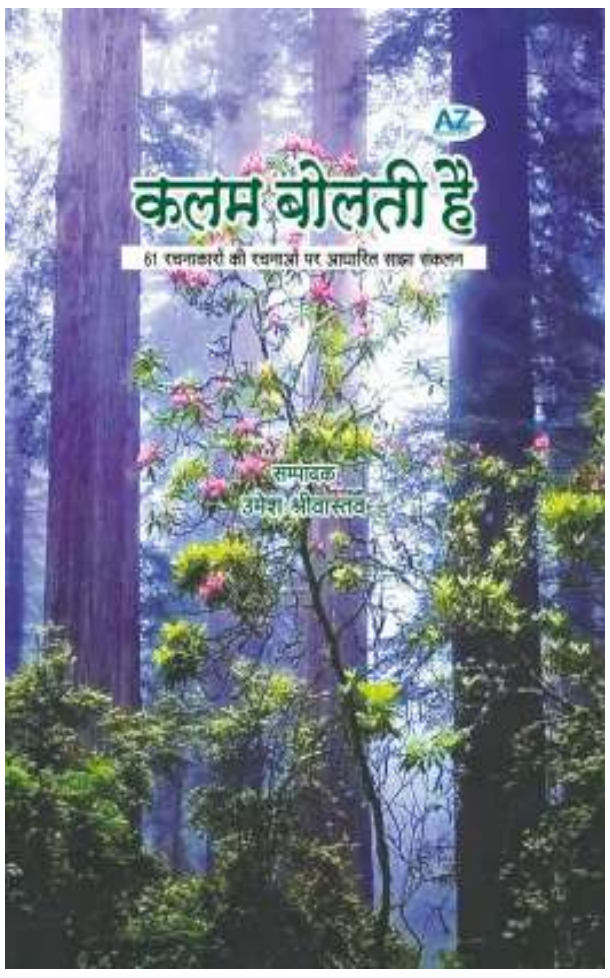

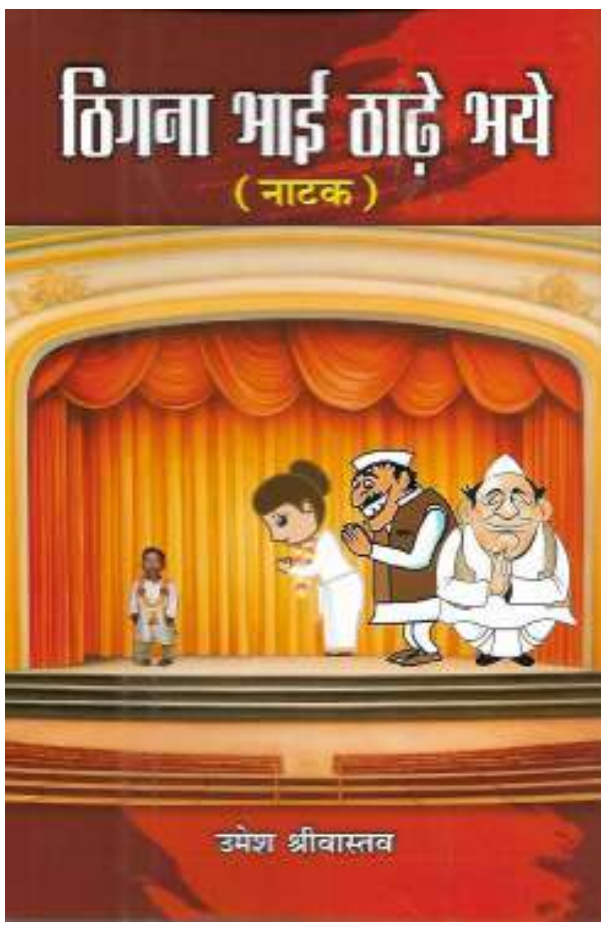

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

'हश मनी' मामले में सजा सुनाए जाने पर रोक संबंधी ट्रंप की याचिका खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने पॉर्न स्टार को मुंह बंद रखने के लिए भुगतान (हश मनी) करने से संबंधित मामले में सजा सुनाए जाने पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद न्यूयॉर्क की एक अदालत के न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन के लिए शुक्रवार को ट्रंप को सजा सुनाने का रास्ता साफ हो गया। ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप रहने के लिए कहा था। अभियोजन पक्ष के

अनुसार ट्रंप ने डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1,30,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था। इस मामले में ट्रंप को दोषी करार दिया जा चुका है। हालांकि ट्रंप ने डेनियल्स से किसी भी तरह के संबंधों और कोई भी गलत काम करने के आरोपों को खारिज किया है। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट समेत पांच न्यायाधीशों की पीठ ने ट्रंप की तत्काल सुनवाई की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। सजा सुनाए जाने पर रोक लगाने से न्यूयॉर्क की अदालतों के इनकार के बाद ट्रंप के वकीलों ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। मर्चन ने इस मामले पर सुनवाई करने के बाद पिछले साल मई में ट्रंप को 34 आपराधिक आरोपों में दोषी पाया था। ट्रंप की टीम ने उच्चतम न्यायालय से सजा सुनाए जाने पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कहा था कि इससे राष्ट्रपति पद की शपथ लेने की उनकी तैयारियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ट्रंप को 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेनी है। हालांकि मर्चन ने संकेत दिए थे कि वह ट्रंप को जेल की सजा नहीं सुनाएंगे और न ही कोई जुर्माना या रोक लगाएंगे, लेकिन ट्रंप के वकीलों का कहना है कि केवल दोषी करार दिए जाने से भी ट्रंप की छवि को नुकसान पहुंचेगा।

लॉस एंजिलिस में जंगलों में लगी आग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हुई

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर और उसके आसपास जंगलों में लगी भीषण आग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है जबकि कम से कम 10 हजार मकान, इमारतें और अन्य संरचनाएं जलकर राख हो चुकी हैं। अधिकारियों ने कैनेथ नामक नयी जगह पर आग लगने और तेजी से फैलने के बाद लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश को ज्यादा तवज्जो देने का अनुरोध किया। कैनेथ में बृहस्पतिवार को लगनी शुरू हुई आग तेजी से फैलते हुए पड़ोसी वेंचुरा कांउटी तक पहुंच गई। कैनेथ आग से बचने के लिए आश्रय स्थल के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे एक स्कूल से सिर्फ 3.2 किलोमीटर दूर स्थित है। हवाओं की गति कम होने और राज्य के बाहर से आए अग्निशमन कर्मियों की मदद से विनाशकारी आग पर सफलतापूर्वक काबू पाने के संकेत मिलने के बाद अधिकारियों में उम्मीद जगी थी। आग के कारण अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बैस ने कहा, हमें आशंका है कि तेज हवाओं के कारण यह आग तेजी से फैलेगी। उन्होंने पूर्वानुमान को दोहराते हुए कहा कि बृहस्पतिवार शाम से शुक्रवार सुबह तक तेज हवाएं चलेंगी।

मिट जाएगा कनाडा का नामोनिशान, ओटावा को बनना ही होगा यूएसए का 51वां राज्य, ट्रंप ने फिर किया साफ

अमेरिका के 51वें राज्य के रूप में कनाडा पर अपने दावे को सही ठहराते हुए अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस बात पर जोर दिया कि आखिरकार ओटावा पर टैरिफ कैसे लगाया जाएगा और कनाडा से अमेरिका को होने वाले भारी घाटे की ओर ध्यान दिलाया। पूर्व कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो को गवर्नर ट्रूडो कहने के बारे में ट्रंप ने कहा कि मैंने उन्हें गवर्नर ट्रूडो कहा क्योंकि उन्हें 51वां राज्य होना चाहिए। यह एक महान राज्य बनेगा। और कनाडा के लोग इसे पसंद करते हैं। वे कम टैक्स देते हैं। उनके पास बहुत छोटी सेना है। वे 1 प्रतिशत से भी कम भुगतान करते हैं। वे नाटो में सबसे कम भुगतानकर्ता हैं। उन्हें बहुत अधिक भुगतान करना होगा। वे बहुत अधिक भुगतान नहीं कर रहे हैं। उन्हें बहुत दिक्कत होती है। ट्रम्प ने दावा किया कि कनाडाई लोगों को यह विचार शदिलचस्प लगता है। उन्होंने कहा कि कुछ हफ्ते पहले कनाडा के बारे में यह बहुत दृढ़ता से कहा गया था और लोग हँसे थे और अब वे सभी कह रहे हैं, ठीक है, यह बहुत दिलचस्प है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका कनाडा को प्रति वर्ष 200 और 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सब्सिडी दे रहा है, साथ ही यह भी कहा कि अमेरिका में श्भारी घाटाश है। उन्होंने कनाडा पर अमेरिका के कार कारोबार का कम से कम 20 प्रतिशत हिस्सा लेने का आरोप लगाया। ट्रंप ने आगे कहा कि मैं इसे डेट्रॉयट में करवाना पसंद करूंगा या इसे दक्षिण कैरोलिना या किसी अन्य राज्य में कराना चाहूंगा जहां कारें हैं। और हमारे पास उनमें से बहुत सारे हैं। हमें इसके लिए कनाडा की जरूरत नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई लड़कियों की शिक्षा पर सम्मेलन के लिए पाकिस्तान आएंगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई मुस्लिम समुदायों में लड़कियों की शिक्षा पर होने जा रहे एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए सप्ताहांत में पाकिस्तान जाएंगी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, मलाला 11–12 जनवरी को होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं में से एक होंगी। अक्टूबर 2012 में जीवन रक्षक उपचार के लिए ब्रिटेन जाने के बाद से मलाला की यह पाकिस्तान की तीसरी यात्रा होगी। वह अपने ऊपर हुए हमले के बाद पहली बार अक्टूबर 2022 में अपने गृहनगर जाने के लिए पाकिस्तान आई थीं। मलाला की उम्र सिर्फ 15 साल थी, जब प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने लड़कियों की शिक्षा के लिए उनके अभियान

को लेकर उनके सिर में गोली मार दी थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और मुख्य भाषण देंगे। सम्मेलन के आयोजकों में से एक ने एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि मलाला ने सम्मेलन में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है और वह मुस्लिम समुदायों में लड़कियों की शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य भाषण देंगी। संघीय शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्रालय ''मुस्लिम समुदायों में लड़कियों की शिक्षा रू चुनौतियां और अवसर'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। विदेश कार्यालय द्वारा यहां जारी एक बयान में कहा गया है कि यह वैश्विक शिखर सम्मेलन संवाद को बढ़ावा देगा और लड़कियों की शिक्षा में चुनौतियों का समाधान करने के लिए कार्रवाई योग्य समाधान खोजेगा। सम्मेलन का समापन इस्लामाबाद घोषणा पर औपचारिक हस्ताक्षर समारोह के साथ होगा। जिसमें शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने, समावेशी और सतत शैक्षिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य के लिए मुस्लिम समुदाय की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जाएगा। सम्मेलन के एजेंडे में से एक अफगानिस्तान में तालिबान सरकार द्वारा लड़कियों की शिक्षा पर लगाए गए प्रतिबंध पर चर्चा करना है। हालांकि अफगान स्थिति का कोई स्पष्ट संदर्भ नहीं है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि संयुक्त घोषणा निश्चित रूप से लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान के प्रतिबंध को खारिज कर देगी। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान ने सम्मेलन के लिए अफगान तालिबान सरकार को निमंत्रण दिया है लेकिन इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि वे कोई प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे या नहीं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, अफगानिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों को लेकर पिछले कई महीनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस कार्यक्रम में 44 मुस्लिम और मित्र देशों के मंत्रियों, राजदूतों, विद्वानों और शिक्षाविदों, यूनेस्को, यूनिसेफ और विश्व बैंक सहित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों सहित 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

ट्रंप के मीटिंग वाले प्लान पर आया रूस का रिएक्शन, पुतिन बोले- स्वागत है

रूस यूक्रेन जंग रुकवाने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्द रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वो रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिलना चाहते हैं और इसके लिए मीटिंग का शेड्यूल तैयार करवाया जा रहा है। जवाब में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री प्सकोव ने कहा है कि अगर ट्रम्प रूस के साथ उच्च स्तरीय वार्ता फिर से शुरू करना चाहते हैं, तो राष्ट्रपति पुतिन इस कदम का स्वागत करेंगे। रूसी समाचार एजेंसी जै ने दिमित्री प्सकोव के हवाले से कहा कि यदि ट्रम्प की पद संभालने के बाद उच्च–स्तरीय संपर्क फिर से शुरू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति बनी रहती है, तो, निश्चित रूप से राष्ट्रपति पुतिन केवल इसका स्वागत करेंगे। क्रेमलिन के

प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति ने हमेशा बातचीत के लिए अपनी तत्परता बताई है। हालाँकि, पेसकोव ने कहा कि मॉस्को को अभी तक अमेरिका से ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला है। ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे हैं। व्हाइट हाउस में उनकी वापसी से 22 फरवरी 2022 को शुरू हुए यूक्रेन के रूस पर हमले के राजनयिक समाधान की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को 175 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद देने का वादा किया था। जिसमें से 60 अरब डॉलर ज्यादा की सुरक्षा सहायता राशी भी है। हालांकि ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद इसे लेकर असमंजस है कि क्या यूक्रेन को अमेरिका की मिलने वाली मदद जारी रहेगी या नहीं।

पुतिन ने जताई बातचीत की इच्छा

पुतिन ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत में समझौते की संभावना पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। मुझे नहीं पता कि मैं उससे कब मिलने जा रहा हूं। वह इस बारे में कुछ नहीं कह रहा है। मैंने चार साल से अधिक समय से उससे बात नहीं की है। अपने चुनाव अभियान के दौरान, ट्रम्प ने बार–बार कहा कि वह यूक्रेन में संघर्ष को 24 घंटों के भीतर हल करने का इरादा रखते हैं। हालाँकि, उन्होंने 7 जनवरी को स्वीकार किया कि निपटान प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है, उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस विषय पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत, अन्य मुद्दों के अलावा, उनके उद्घाटन के छह महीने से काफी पहले होगी।

शपथ लेते ही पुतिन से मिलेंगे ट्रंप, महामुलाकात का शेड्यूल हो गया तैयार!

रूस यूक्रेन जंग रुकवाने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्द रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वो रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिलना चाहते हैं और इसके लिए मीटिंग का शेड्यूल तैयार करवाया जा रहा है। ट्रंप ने रिपब्लिकन गवर्नर्स के साथ मीटिंग से

पहले कहा कि पुतिन मुझसे मिलना चाहते हैं। वो मिलने को बेताब हैं। पुतिन सार्वजनकि तौर पर कह चुके हैं कि हमें इस युद्ध को खत्म करना होगा। इसने बहुत तबाही मचाई है। ऐसे में हम इस मुलाकात का शेड्यूल तैयार कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने इस मीटिंग के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई है। ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे हैं। व्हाइट हाउस में उनकी वापसी से 22 फरवरी 2022 को शुरू हुए यूक्रेन के रूस पर हमले के राजनयिक समाधान की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को 175 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद देने का वादा किया था। जिसमें से 60 अरब डॉलर ज्यादा की सुरक्षा सहायता राशी भी है। हालांकि ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद इसे लेकर असमंजस है कि क्या यूक्रेन को अमेरिका की मिलने वाली मदद जारी रहेगी या नहीं। रूसी राष्ट्रपति के कार्यलय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था कि पुतिन उनके मिलने की इच्छा का स्वागत करते हैं। लेकिन अभी तक ट्रंप की ओर से इस तरह का कोई औपचारिक अनुरोध नहीं आया है। वहीं इससे पहले पिछले महीने पुतिन ने कहा था कि वो युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप के साथ संभावित वार्ता में यूक्रेन को लेकर समझौता करने के लिए तैयार हैं। लेकिन यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए उनकी कोई शर्त नहीं है। पुतिन ने कहा था कि मुझे लगता है कि जल्द ही जो यूक्रेनी नागरिक लड़ना चाहते हैं वो भाग जाएंगे। कोई भी ऐसा नहीं बचेगा जो लड़ना चाहता हो। हम तैयार हैं। लेकिन दूसरे पक्ष को भी बातचीत और समझौते दोनों के लिए तैयार रहना चाहिए। पुतिन ये बात कई बार कह चुके हैं कि वो यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान को लेकर बातचीत के लिए तैयार हैं। वहीं ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध को जल्द समाप्त करने की कसम खाई है। लेकिन इस जंग को किस तरह खत्म करना है इसके लिए उन्होंने कोई खाका पेश नहीं किया है। वहीं 20 जनवरी को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगामी शपथ ग्रहण समारोह के लिए रिकॉर्ड 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का चंदा दिया गया है। बड़े कारोबारियों और दानदाताओं ने समारोह के लिए बढ़–चढ़करचंदा दिया है। यह जानकारी धन जुटाए जाने के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने दी है, जो सार्वजनिक रूप से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है। ट्रंप की शपथ ग्रहण समारोह से संबंधित समिति ने बुधवार को प्रतिक्रिया मांगे जाने पर कोई जवाब नहीं दिया। समिति ने अभी तक यह विस्तृत रूप से नहीं बताया है कि वह चंदे की राशि को कैसे खर्च करने की योजना बना रही है। चंदे का इस्तेमाल आम तौर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रमों से जुड़े खर्चों के भुगतान के लिए किया जाता है, जैसे कि परेड आदि।

निज्जर हत्याकांड के चारों आरोपी को कोर्ट से मिली बेल

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्या केस में कनाडा सरकार को झटका लगा है। खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपी चार भारतीय नागरिकों को कनाडा की एक अदालत ने जमानत दे दी है। चार आरोपी भारतीय नागरिकों – करण बराड़, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह और करणप्रीत सिंह पर प्रथम श्रेणी की हत्या और हत्या की साजिश का आरोप लगाया गया था। 18 जून 2023 को अलगाववादी हरदीप सिंह कोलंबिया में एक गुरुद्वारा की पार्किंग में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, ये हिरासत में नहीं हैं। निज्जर हत्याकांड भारत–कनाडा के बीच विवाद की वजह बन गया था, क्योंकि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हत्या में भारत के शामिल होने का आरोप लगाया था। चार भारतीय नागरिकों को रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने मई 2024 में कनाडा के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया था। हालाँकि, प्रारंभिक सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा साक्ष्य प्रस्तुत करने में देरी की आलोचना हुई। अदालती दस्तावेजों से पता चलता है कि सभी चार लोगों को मुकदमे की प्रतीक्षा के दौरान कार्यवाही पर रोक के तहत रिहा कर दिया गया था। वे 18 नवंबर, 2024 को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, सभी चार प्रतिवादियों की स्थिति को श्एनश के रूप में चिह्नित किया गया था, जो दर्शाता है कि वे हिरासत में नहीं हैं।

आसमान से सड़क पर आ गिरा विमान, इमरजेंसी लैंडिंग के बाद लगी आग; एक की मौत और सात घायल

साओ पाउलो। ब्राजील में एक बड़ा हादसा देखने को मिला है। यहां प्लेन क्रैश से एक की मौत और सात लोग घायल हो गए। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दिल दहलाने वाला वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, दक्षिण–पूर्वी राज्य साओ पाउलो के पर्यटक शहर उबातुबा में एक समुद्र तट के पास एक छोटा विमान सड़क पर आ गिरा और उसमें विस्फोट हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। जैसे ही विमान सड़क पर आया, उसने कई गाड़ियों को चपेट में ले लिया। विमान गाड़ियों को धकेलता ही चला गया, जिसके बाद एक बड़ा विस्फोट हुआ। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। दरअसल, पायलट विमान को उबातुबा क्षेत्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह गति नहीं रोक सका और हवाई अड्डा टर्मिनल की बाउंड्री को पार कर गया। रिपोर्ट के अनुसार, विमान में सवार सभी चार यात्रियों, जिनमें दो बड़े और दो बच्चे शामिल थे, उनको जीवित बचा लिया गया है।

गीले रनवे के कारण हादसे की आशंका

दुर्घटना के कारण क्रूजेरो बीच पर घूम रहे तीन व्यक्ति भी घायल हो गए। उबातुबा हवाई अड्डे की देखरेख करने वाली कंपनी रेडे वोआ ने कहा कि बारिश और गीले रनवे के कारण दुर्घटना हुई और उस समय मौसम की स्थिति ठीक नहीं थी। ब्राजील की वायु सेना ने घोषणा की कि विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें कि इससे पहले 24 दिसंबर 2024 को ब्राजील के साओ पाउलो के एक आवासीय क्षेत्र में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक नाबालिग सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी।

पहले भी हुई ऐसी ही घटना

रिपोर्ट में कहा गया है कि अग्निशमन कर्मियों ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि जो लोग घायल हुए हैं वो यात्री थे या सभी बाहरी हैं। विमान एक इंजन वाला RV–10 था जिसमें एक पायलट और तीन यात्रियों के बैठने की जगह थी। स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि सितंबर की शुरुआत में भी उत्तरी ब्राजील के अमेजनस राज्य के बार्सिलोस में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 14 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में अपहृत 16 खदान श्रमिकों में से 8 को बचाया, गोलीबारी के दौरान 3 घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गुरुवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों द्वारा अपहृत किए गए 16 खदान श्रमिकों में से आठ को बचा लिया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान भीषण गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप बचाए गए आठ श्रमिकों में से तीन घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। यह गोलीबारी लक्की मरवात और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों की सीमा पर हुई, जब अपहरणकर्ता बंदियों को उत्तरी वजीरिस्तान ले जाने की कोशिश कर रहे थे। बचाव अभियान उस समय शुरू किया गया जब तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने लक्की मरवात जिले में यूरेनियम और प्लूटोनियम खनन स्थल पर श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन को रोक लिया और बंदूक की नोक पर उन्हें जबरन वहां से हटा दिया तथा कबूल खेल क्षेत्र में वाहन में आग लगा दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।